राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,९मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -४५ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुंभ शाही स्नान-आज से हरिद्वार हाईवे पर भारी वाहनों की एंट्री बंद

हरिद्वार। 11 मार्च को होने वाले पहले शाही स्नान को लेकर मेला पुलिस ने ट्रैफिक प्लान तैयार कर लिया है। भारी वाहनों को मंगलवार की शाम से ही बंद कर दिया जाएगा। शहर जिले के अंदर भारी वाहनों को नहीं आने दिया जाएगा। आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों पर प्रतिबंध लागू नहीं रहेगा। यह प्रतिबंध 12 मार्च तक रहेगा। अभी तक हरिद्वार में हुए कुंभ के स्नानों में ट्रैफिक प्लान लागू करने की आवश्कता नहीं पड़ी है। लेकिन इस स्नान पर 25 से 50 लाख श्रद्धालु आने की संभावना है। इसको देखते हुए ही ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है। इस साल का पहला ट्रैफिक प्लान महाशिवरात्रि के शाही स्नान के दिन लागू किया जा सकता है। इसी हिसाब से प्लान तैयार किया गया है और ड्यूटियां भी ऐसी ही लगाई गई है। भारी वाहनों को दो दिन पहले ही बंद कर दिया जाएगा। 9 मार्च की शाम से हाईवे पर भारी वाहनों को बंद किया जाएगा। दिल्ली की ओर से आने वाले भारी वाहनों को नारसन पर ही रोका जाएगा। मुरादाबाद की ओर से आने वाले वाहनों को चिड़ियापुर और देहरादून की ओर से आने वाले भारी वाहनों को लालतप्पड़ पर ही रोक दिया जाएगा। इन जगहों पर भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटियां लगा दी गई है। ट्रैफिक प्लान को अंतिम रूप दे दिया गया है। दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर से आने वाले वाहनों मंगलौर से डायवर्ट किया जाएगा। स्नान के दिन बैरागी कैंप और 4.2 रवासन के अलावा दक्षद्वीप की पार्किंग चलाई जाएगी।

शाही स्नान- अपर रोड पर रहेगी नौ एंट्री

शाही स्नान के दिन अपर रोड पर संतों के अलावा सभी की नौ एंट्री रहेगी। क्योंकि इस दिन संत इसी मार्ग से हरकी पैड़ी स्नान करने जाएंगे। शाम तक स्नान का क्रम जारी रहेगा। पुलिस की ओर से गलियों को भी बंद किया जाएगा। श्रद्धालुओं को हरकी पैड़ी के आसपास घाटों पर गंगा स्नान करने के लिए रोडीबेल वाला और पंतद्वीप में बने बल्लियों के चक्रव्यूह से होकर गुजरना पड़ेगा।

तमिलनाडुः दो चुनावों में करीब एक तिहाई रह गई कांग्रेस की सीटें

चेन्नई। आखिरकार वही हुआ, जिसका अंदेशा था। तमिलनाडु चुनाव में कांग्रेस को लगातार खराब प्रदर्शन की कीमत चुकानी पड़ी। द्रमुख गठबंधन में पार्टी को सिर्फ 25 सीट मिली जबकि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 41 सीट पर चुनाव लड़ी थी। हालांकि, गठबंधन में कन्याकुमारी लोकसभा सीट भी कांग्रेस के हिस्से में आई है। यह सीट कांग्रेस सांसद एच वसंत कुमार के निधन के बाद खाली हुई थी। बीजेपी ने इस सीट से पी राधाकृष्णन को टिकट दिया है।

● तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन लगातार खराब रहा है। साल 2011 के चुनाव में पार्टी ने गठबंधन में 63 सीट पर चुनाव लड़ा था, पर वह सिर्फ पांच सीट ही जीत पाई थी। साल 2016 के चुनाव में द्रमुक ने सीट कम करते हुए कांग्रेस को सिर्फ 41 सीटें दीं। लेकिन पार्टी आठ सीट जीत पाई। बिहार चुनाव की तरह उस वक्त भी द्रमुक की सरकार नहीं बनने के लिए कांग्रेस के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया गया था। इसलिए इस बार कांग्रेस को सिर्फ 25 सीटें मिली हैं।
डीएमके से मिले अपमान पर रो पड़े थे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीएमके की ओर से किए गए अपमान का जिक्र करते हुए भावुक हो गए थे। यह वाकया शुक्रवार शाम को हुई कांग्रेस पार्टी की आंतरिक मीटिंग का है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन लगातार खराब रहा है। साल 2011 के चुनाव में पार्टी ने गठबंधन में 63 सीट पर चुनाव लड़ा था, पर वह सिर्फ पांच सीट ही जीत पाई थी। साल 2016 के चुनाव में द्रमुक ने सीट कम करते हुए कांग्रेस को सिर्फ 41 सीटें दीं। लेकिन पार्टी आठ सीट जीत पाई। बिहार चुनाव की तरह उस वक्त भी द्रमुक की सरकार नहीं बनने के लिए कांग्रेस के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया गया था। इसलिए इस बार कांग्रेस को सिर्फ 25 सीटें मिली हैं।

डीएमके से मिले अपमान पर रो पड़े थे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष-कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीएमके की ओर से किए गए अपमान का जिक्र करते हुए भावुक हो गए थे। यह वाकया शुक्रवार शाम को हुई कांग्रेस पार्टी की आंतरिक मीटिंग का है। कांग्रेस की कार्यकारी बैठक के दौरान डीएमके की ओर से किए बर्ताव का जिक्र करते हुए वह भावुक हो गए। कांग्रेस अध्यक्ष केएस अलागिरी ने कहा कि हमारे मेंबर्स से इतर जिस तरह उन्होंने सीनियर लीडर ओमान चांडी के साथ बर्ताव किया। उसने मुझे दुख पहुंचाया। सूत्र ने बताया, कांग्रेस की कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए केएस अलगिरी की आंखों में आंसू गए और कहा कि सीट शेयरिंग के मामले में डीएमके ने कांग्रेस का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि मैं अपनी जिंदगी में कभी इस तरह शर्मसार नहीं हुआ था।

कुल 48 सीटों पर सहमति बनी-द्रमुक अपने सहयोगियों को 48 सीटें आवंटित कर चुकी है। कांग्रेस को 25 तो एमडीएमके, वीसीके और माकपा को छह-छह सीटें, जबकि आईयूएमएल को तीन तथा मनिठान्या मक्कल काची को दो सीटें दी गई हैं।

आज पीएम मोदी करेंगे मैत्री सेतु का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को 'मैत्री सेतु' का उद्घाटन करेंगे। यह पुल भारत और बांग्लादेश के बीच फेनी नदी पर बना है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने यह जानकारी दी। पीएमओ ने बताया कि वह कार्यक्रम के दौरान त्रिपुरा में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे।

पुल 'मैत्री सेतु' फेनी नदी पर बनाया गया-पीएमओ ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी नौ मार्च को दोपहर 12 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भारत और बांग्लादेश के बीच 'मैत्री सेतु' का उद्घाटन करेंगे। पुल 'मैत्री सेतु' फेनी नदी पर बनाया गया है। यह नदी त्रिपुरा और बांग्लादेश में भारतीय सीमा के बीच बहती है। पीएमओ ने कहा कि 'मैत्री सेतु' भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों और मैत्रीपूर्ण संबंधों का प्रतीक है।

133 करोड़ की लागत से बना पुल-बयान में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड द्वारा 133 करोड़ रुपये की परियोजना लागत पर किया गया।1.9 किलोमीटर लंबा यह पुल भारत में सबरूम को बांग्लादेश के रामगढ़ से जोड़ता है। बयान के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी सबरूम में एकीकृत जांच चौकी स्थापित करने के लिए आधारशिला भी रखेंगे। वह अगरतला स्मार्ट सिटी मिशन के तहत बने एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन करेंगे।

राफेल बनाने वाली डसॉल्ट के मालिक ओलिवियर डसॉल्ट की हेलीकॉप्टर क्रैश में मौत

नई दिल्ली। एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में फ्रांस के अरबपति और संसद के सदस्य राजनेता ओलिवियर डसॉल्ट की मौत हो गई। इसकी जानकारी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने ट्विटर पर दी है। डसॉल्ट 69 साल के थे। वह फ्रांसीसी अरबपति उद्योगपति सर्ज डसॉल्ट के सबसे बड़े बेटे थे, जिनका ग्रुप राफेल युद्धक विमानों का निर्माण करता है साथ ही इस ग्रुप का ले फिगारो नाम का एक अखबार भी है। मैक्रॉन ने अपने ट्वीट में लिखा कि ओलिवियर डसॉल्ट फ्रांस से प्यार करते थे। उन्होंने उद्योग, कानून निर्माता, स्थानीय निर्वाचित अधिकारी, वायु सेना में कमांडर के रूप में देश की सेवा की। उनका आकस्मिक निधन एक बहुत बड़ी क्षति है। गौरतलब है कि ओलिवियर 2002 से लेस

● वह फ्रांसीसी अरबपति उद्योगपति सर्ज डसॉल्ट के सबसे बड़े बेटे थे, जिनका ग्रुप राफेल युद्धक विमानों का निर्माण करता है साथ ही इस ग्रुप का ले फिगारो नाम का एक अखबार भी है। मैक्रॉन ने अपने ट्वीट में लिखा कि ओलिवियर डसॉल्ट फ्रांस से प्यार करते थे।

रिपब्लिक पार्टी के विधायक थे और इनके दो भाई और बहन थे। साथ ही वह परिवार के उत्तराधिकारी थे। उनके दादा मार्सेल, एक विमानिकी इंजीनियर और प्रतिष्ठित आविष्कारक थे। उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान फ्रांसीसी विमानों में इस्तेमाल किया जाने वाला एक प्रोपेलर विकसित किया था जो आज भी विश्वभर में प्रसिद्ध है। बता दें कि दुर्घटना के दौरान ओलिवयर छुट्टियों पर थे। 2020 फोर्ब्स की अमीरों की सूची के अनुसार, डसॉल्ट को अपने दो भाइयों और बहन के साथ दुनिया का 361वां सबसे अमीर शख्स बताया गया था। उन्होंने अपनी राजनीतिक भूमिका के कारण किसी भी तरह के हितों के टकराव से बचने के लिए डसॉल्ट बोर्ड से अपना नाम वापस ले लिया था।

राम मंदिर निर्माण के लिए राजस्थान के लोगों ने दिया सबसे ज्यादा दान

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए लोगों ने बढ़-चढ़कर दान दिया है। इसके लिए डोर-टू-डोर चंदा अभियान समाप्त हो गया है। अगर अब भी किसी को इसमें अपना सहयोग देना है तो वे ऑनलाइन दान कर सकते हैं। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के केन्द्रीय उपाध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महामंत्री चंपत राय ने चंदा अभियान को लेकर अब तक की सारी जानकारी दी। मतलब कि कितने पैसे इकट्ठा हुए हैं। किस राज्य ने कितना दान दिया है। चंपत राय ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर बनने वाले भव्य मंदिर के लिए देशभर में सबसे ज्यादा राजस्थान से चंदा इकट्ठा किया गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान के लोगों ने सर्वाधिक 515 करोड़ रूपये का योगदान दिया है। मीडिया से बात करते हुए चंपत राय ने कहा कि राजस्थान के 36 हजार गांवों और शहरों से मंदिर के लिए 515 करोड़ रुपये से अधिक निधि का समर्पण हुआ है। उनक कहना था कि देश में मकर संक्रान्ति (15 जनवरी) से माघी

पूर्णिमा (27 फरवरी) तक 42 दिन चले अभियान में एक लाख 75 हजार टोलियों के माध्यम से करीब नौ लाख कार्यकर्ताओं ने घर-घर संपर्क किया। उन्होंने कहा कि चार मार्च तक के आंकड़ों के अनुसार मंदिर निर्माण के लिए अब तक 2500 करोड़ रुपये की राशि एकत्र हो चुकी है एवं अभी अंतिम आंकड़ा आना शेष है। उन्होंने कहा कि मंदिर के चबूतरे के लिए मिर्जापुर जिले और परकोटा के लिए जोधपुर का पत्थर लगाने पर विचार चल रहा है तथा मंदिर में भरतपुर जिले के बंशी पहाड़पुर का पत्थर लगेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के लिए 400 फीट लम्बाई, 250 फीट चौड़ाई और 40 फीट गहराई तक मलबा बाहर निकाला जा रहा है जिसके बाद भराई का काम शुरू होगा। राय का कहना था कि भराई सामग्री आईआईटी मद्रास के वैज्ञानिक तैयार कर रहे हैं। चंपत राय ने कहा कि जमीन तक क्रांकिट और इस पर 16.5 फीट उंचा चबूतरा पत्थरों से बनेगा जिस पर मंदिर बनेगा। उनके अनुसार मंदिर भूतल से 161 फीट उंचा होगा और वह 361 फीट लम्बा और 235 फीट चौड़ा होगा। तीन मंजिल बनेगा, प्रत्येक मंजिल की उंचाई 20 फीट होगी। कुल 160 खंभे लगेंगे।

एमपी की संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर का दावा

गोबर के कंडे पर घी की आहुतियों से सैनिटाइज रहता है घर

इंदौर। मध्यप्रदेश की संस्कृति और अध्यात्म मंत्री उषा ठाकुर ने कोविड-19 से बचाव के लिए वैदिक जीवन पद्धति अपनाए जाने पर रविवार को जोर दिया। उन्होंने यह दावा भी किया कि सूर्योदय और सूर्यास्त के समय गाय के गोबर के कंडे पर हवन के दौरान गो-घी की महज दो आहुतियों से कोई भी घर 12 घंटे तक संक्रमणमुक्त रह सकता है। ठाकुर ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि कोविड-19 के प्रकोप से निपटने में एलोपैथी के साथ ही वैदिक दिनचर्या की भी अपनी भूमिका है। महामारी के संकट ने हम सबको समझा दिया है कि हमें वैदिक जीवन पद्धति के मार्ग पर लौटना होगा। उन्होंने घर को संक्रमणमुक्त रखने के लिए एक नुस्खा भी सुझाया। ठाकुर ने कहा, आप गाय के दूध से बने घी में अक्षत (पूजा में प्रयोग होने वाले साबुत चावल) मिलाकर रखें। अगर आप सूर्योदय और सूर्यास्त के वक्त गाय के ही गोबर के कंडे पर हवन के दौरान इस घी की दो आहुतियां डालें, तो आप यकीन मानिए कि आपका घर 12 घंटे तक सैनिटाइज (संक्रमणमुक्त) रहने वाला है। 55 साल की ठाकुर ने कहा कि लोगों को उनकी बातें अजीब लग सकती हैं, लेकिन घर को संक्रमणमुक्त रखने का यह नुस्खा मनगढ़ंत नहीं है। यह विज्ञान है कि भगवान सूर्य जब आकाश पर उदित या अस्त होते हैं, तो (धरती की) गुरुत्वाकर्षण शक्ति 20 गुना तक बढ़ जाती है। शाम को (वायुमंडल में) ऑक्सीजन कम होती है,

भारत में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामले, WHO ने भी संक्रमण को लेकर चेताया

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और पंजाब के अलावा कई अन्य राज्यों में भी कोरोना मरीजों के पॉजिटिव पाए जाने की दर अचानक बढ़ गई है। इसके कारण पिछले दो दिन से देशभर में प्रतिदिन मिलने वाले कोरोना के नए मामले 18 हजार से अधिक दर्ज किए जा रहे हैं। देशभर में रविवार सुबह आठ बजे तक 24 घंटों में संक्रमण के 18,711 नए मामले सामने आए और 100 लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक आठ राज्यों महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात और कर्नाटक में संक्रमण के मामले पिछले एक हफ्ते के दौरान तेजी से बढ़े हैं। ये वही राज्य हैं जहां शुरुआत दौर में कोरोना ने सर्वाधिक तेजी से अपने पांव पसारे थे। पैटर्न के इस दोहराव से दूसरी कोरोना लहर को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। देश में महामारी से जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़कर 1,57,756 हो गया, जबकि कुल संक्रमितों की संख्या 1,12,10,799 हो गई है। 14 राज्यों में सक्रिय मरीज बढ़े- देश के कुल 14 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों में बढ़ोतरी हुई है। 24 घंटों के दौरान महाराष्ट्र में इलाजरत मरीज 4,060 बढ़े, इसके बाद सक्रिय मरीजों की संख्या 94,115 पर पहुंच गई। हालांकि इस अवधि में केरल में कोरोना के सक्रिय मामले 742 घटकर 43,114 रह गए। इस दौरान महाराष्ट्र के 6,080 और केरी में 3,517 लोग कोरोना से ठीक हुए।

ठीक होने की दर घटी- कोरोना मरीजों के ठीक होने की दर गिरकर 96.95 प्रतिशत हो गई है। देश में संक्रमित हुए 1,08,68,520 लोग स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि कोरोना मृत्यदुर 1.41 प्रतिशत बनी हुई है।

84 फीसदी से अधिक नए मामले छह राज्यों में-देश में रोजाना मिल रहे नए संक्रमितों के 84.71 फीसदी मामले केवल छह राज्यों में मिले हैं। इन राज्यों में महाराष्ट्र और केरल के अलावा पंजाब, कर्नाटक, गुजरात और तमिलनाडु शामिल हैं। केरल में प्रतिदिन मिलने वाले संक्रमितों की संख्या भले ही घटी है, लेकिन नए संक्रमितों के लिहाज से यह अब भी दूसरे स्थान पर बरकरार है। केरल में रविवार को 2791 नए संक्रमित मिले।

गुजरात- गुजरात में पिछले दो दिन से 500 से अधिक संक्रमित मिल रहे हैं। राज्य में 571 नए मरीज मिले, जबकि फरवरी के अंतिम सप्ताह में राज्य में प्रतिदिन मिलने वाले नए कोरोना मरीजों की औसत संख्या 450 के करीब थी।

लोकल मॉड्यूल के सहारे ईरान ने ही कराया था इजरायली दूतावास के बाहर धमाका, जांच रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। नई दिल्ली में इजरायली दूतावास के बाहर हुए आईडी धमाके को एक महीने से ज्यादा समय बीतने के बाद भारत की आतंकरोधी एजेंसी ने संदिग्धों की एक सूची तैयार की है और अपनी जांच के बाद फाइनल रिपोर्ट में बताया है कि इस धमाके के पीछे ईरान कुद्स फोर्स का हाथ था। सूत्रों के मुताबिक ईरानी कुद्स फोर्स इस आतंकी साजिश के पीछे था लेकिन यह बम एक स्थानीय भारतीय शिया मॉड्यूल ने प्लांट किया था। इतना ही नहीं जानबूझकर ऐसे सबूत छोड़े गए जिससे हमले के पीछे आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट का हाथ लगे लेकिन आतंकरोधी एजेंसियां अब यह पुख्ता कर चुकी हैं कि यह हमला ईरान की कुद्स फोर्स ने इजरायल के खिलाफ किया था। पहचान जाहिर न करने की शर्त पर हमले के पीछे ईरानी ऐंगल की जांच से जुड़े एक काउंटर टेरर एक्सपर्ट ने हिन्दुस्तान टाइम्स को बताया, बम ज्यादा तीव्रता का नहीं था, न तो इसका लक्ष्य लोगों को नुकसान पहुंचाने का था। ऐसा इसलिए भी क्योंकि शायद ईरान भारत जैसे दोस्ताना रिश्ते वाले

देश के साथ संबंध खराब नहीं करना चाहता था। लेकिन संदेश साफ था और खतरा भी असली थी। बता दें कि इसी साल 29 जनवरी को नई दिल्ली में इजरायली दूतावास के बाहर कम तीव्रता वाला धमाका हुआ था। जांच में यह भी पता लगा है कि धमाका रिमोट कंट्रोल वाले डिवाइस से किया गया था। हालांकि, अभी तक यह नहीं पता लगा है कि यह क्रूड बम था या फिर कुछ और। बम को लेकर फॉरेंसिक लैब की रिपोर्ट अभी आना बाकी हैं। हालांकि, जांच एजेंसियों का मानना है कि धमाके के लिए इस्तेमाल किया गया उपकरण या तो इलेक्ट्रिक डिटोनेटर के साथ अमोनियम नाइट्रेट फ्यूल एक्सप्लोसिव था या फिर PETN था। एजेंसियों को यह पता है कि धमाके के लिए जिस डिवाइस का इस्तेमाल किया गया उसमें अमोनियम पाउडर के अंश मिले हैं।

भारतीय एजेंसियों को घटनास्थल से एक चिट्ठी मिली थी जो भारत में इजरायली राजदूत रॉन मलका को लिखा गया था। चिट्ठी में मलका को आतंकी और आतंकी देश का शैतान बताया गया है। इस धमाके की जांच में इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद भी भारतीय एजेंसियों का साथ दे रही है।

सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल से मिली चिट्ठी की जांच के बाद पता लगा है कि इसे लिखे जाने का अंदाज, चिट्ठी में लिखे गए नामों की स्पेलिंग से यह साफ है कि किसी ईरानी ने इसे लिखा है। संभवतः यह चिट्ठी किसी एजेंट द्वारा पहुंचाई गई है। इस चिट्ठी में ईरान कुद्स फोर्स के जनरल कासिम सुलेमानी और अबु मेहदी अल मुहंदीस की मौत का बदला लेने की बात थी। ये दोनों ही अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चांद की सैर

चांद हम इंसानों केलिए न केवल गहरे लगाव, बल्कि रोमांच का भी विषय है। आम तौर पर वैज्ञानिक और अंतरिक्ष यात्री ही बहुत प्रशिक्षण के बाद चांद तक पहुंच पाते हैं, बाकी लोगों के लिए ऐसी कोई गुंजाइश ही नहीं रहती। अब आम लोगों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं कि उनके लिए भी चांद तक पहुंचने का मौका उपलब्ध हो गया है। जापानी उद्यमी युसाकु मेजावा, जिन्होंने आठ लोगों को डियर मून मिशन के लिए ले जाने की घोषणा की थी, उन्हें महज तीन दिन में तीन लाख से अधिक आवेदन मिल चुके हैं। दिलचस्प यह कि उन्हें सबसे ज्यादा आवेदन भारतीयों की ओर से मिले हैं। यह पहला नागरिक चंद्रमा मिशन है, जिसकी आठ सीटों को मेजावा ने खरीद रखा है। पहले उनकी इच्छा केवल कलाकारों को सैर कराने की थी, लेकिन अब उन्होंने कलाकार की परिभाषा का विस्तार कर दिया है। उनका कहना है, जीवन में जो भी व्यक्ति कुछ नया सृजन कर रहा है, वह कलाकार है। जाहिर है, अब आम आवेदकों के सपनों को भी मानो पंख लग गए हैं। भारत ही नहीं, दुनिया के 237 से अधिक देशों-क्षेत्रों से चंद्र मिशन के लिए लालायित लोगों की संख्या चर्चा का विषय बन गई है। भारत के बाद अमेरिका, जापान, फ्रांस व ब्रिटेन के लोग भी चांद पर जाने को ज्यादा इच्छुक हैं। दरअसल, इस डियर मून प्रोजेक्ट को विख्यात उद्यमी और दुनिया के सबसे अमीर इंसानों में शुमार एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने वर्ष 2018 में पेश किया था। इस प्रोजेक्ट के तहत ही जापानी अरबपति मेजावा ने पहले यात्री के रूप में अपना नाम लिखवाया था। इतना ही नहीं, मेजावा ने इस मिशन की आठ सीटों को बाकायदे पैसे देकर खरीद रखा है। उन्होंने इसके लिए कितने पैसे खर्च किए हैं, इसका पता नहीं, लेकिन अरबों डॉलर में भुगतान हुआ हो, तो आश्चर्य नहीं। आम लोगों के लिए खास यह कि उन्हें मुफ्त में ही चांद की सैर का मजा मिलेगा। इस मिशन के तहत चांद तक पहुंचने और लौटने में तीन-तीन दिन लगेंगे व एक दिन चांद के पास रहना संभव होगा। ऐसे में, पूरे सप्ताह भर का ऐतिहासिक रोमांच पूरी दुनिया में छाया रहेगा। यदि स्पेसएक्स के अभियान में कोई अड़चन न आए, तो यह सपना वर्ष 2023 में साकार हो जाएगा। मेजावा की इच्छा स्वागतयोग्य है, वह चाहते हैं कि जो भी लोग इस मिशन पर जाएं, वे लौटकर दुनिया को बहुत अच्छी तरह से बताएं कि उन्होंने चांद के पास क्या देखा। यह अपने आप में बहुत उत्साह जगाने वाली बात है कि जो काम सरकारें नहीं कर पा रही हैं, उन्हें पूरा करने का बीड़ा दुनिया के एक-दो अमीर उद्यमी उठा रहे हैं। चांद के प्रति सरकारों का लगाव 40 साल पहले ही कम हो गया था। शीतयुद्ध के खत्म होने के बाद तो चांद पर पहुंचकर खुद को सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं रही। फिर भी इस सदी में अंतरिक्ष पर्यटन की चर्चा लगातार होती रही है और उसमें भी एलन मस्क का सपना सबसे ज्यादा चर्चित है। एलन मंगल पर बस्ती बसाना चाहते हैं। आम लोगों को चांद पर पहुंचाना चाहते हैं, लेकिन यह काम कतई आसान नहीं है। अफसोस, इन दिनों स्पेसएक्स को अपने अभियानों में नाकामी ज्यादा मिल रही है। फिर भी तय है, एक दिन आम लोग भी चांद पर जरूर पहुंच सकेंगे, लेकिन इसके लिए कई उद्यमियों और वैज्ञानिकों को मिलकर काम करना पड़ेगा।

आज के ट्वीट

टीका

आज सरकारी अस्पतालों में कोरोना का फ्री टीका लगाया जा रहा है। प्राइवेट अस्पतालों में दुनिया में सबसे सस्ता यानि सिर्फ 250 रुपए का टीका लगाया जा रहा है:

-- पीएम

अश्लीलता पर नियंत्रण जरूरी

– प्रमोद भार्गव

'ओवर द टॉप' अर्थात ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म एवं वेब सिरीजों पर दिखाई जा रही अश्लीलता चिंता का विषय है, अतएव इस पर नियंत्रण जरूरी है। यह बात सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कही। अदालत ने कहा कि 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहुसंख्यक लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता का हनन नहीं कर सकती है।' यह बात अदालत ने अमेजन प्राइम कमर्शियल की प्रमुख अपर्णा पुरोहित की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कही। दरअसल यह मामला तांडव वेब सिरीज से जुड़ा है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तांडव में आपत्तिजनक दृश्य और कथ्य को लेकर जो मामला दर्ज हुआ है, उसमें अपर्णा को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। इसे ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। लिहाजा जमानत याचिका खारिज करते हुए अदालत ने सवाल उठाया कि अश्लीलता दिखाने वाले सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जांच होनी चाहिए। इन पर नियंत्रण तो जरूरी है ही एक बोर्ड का भी गठन किया जाए, जो इन पर नियंत्रण के उपाय सुझाए। हालांकि अब ओटीटी पर नियंत्रण के लिए ऐसी व्यवस्था होगी, जिससे पालक अपने बच्चों के लिए ऐसी सिरीज प्रतिबंधित कर सकेंगे, जिनमें अश्लीलता परोसी जा रही है। आयु वर्ग के हिसाब से भी इन्हें बालक, किशोर एवं वयस्क श्रेणियों में बांटा जाएगा। जिससे जरूरत के हिसाब से इन पर नियमन संभव हो। मोबाइल व कंप्युटर पर इंटरनेट के खतरे का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। इंस्टाग्राम हो या फेसबुक या फिर गूगल ये सब विदेशी कंपनियां अकूत धन कमाने की तृष्णा में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से भारतीय बच्चों, किशोरों व युवकों को पोर्नोग्राफी के जाल में फंसाकर उनका न केवल भविष्य बर्बाद कर रहे हैं, बल्कि साइबर अपराधी बनाकर उनके पूरे जीवन पर ही कालिख पोतने का काम कर रही हैं। ये सब कंपनियां ऑनलाइन चाइल्ड सेक्स ट्रेफिकिंग को बढ़ावा दे रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि किशोरों को अश्लील फिल्में दिखाकर बच्चे और सगे-संबंधी नाबालिग इनकी करतूतों का शिकार हो रहे हैं। लंदन के पास बसे शहर सोहो में इस तरह की वीडियो क्लीपिंग बनाने का धंधा खुलेआम चल रहा है। आज सूचना तकनीक की जरूरत इस हद तक बढ़ गई है कि समाज का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं रह गया है। कोरोना-काल में बच्चों को डिजिटल माध्यम से पढ़ने का जो बहाना मिला है, उसमें इंटरनेट पर डेटा की खपत से पता चला है कि चाइल्ड पोर्नाग्राफी की बीमारी भी उसी अनुपात में बढ़ रही है। आज दुनिया में करीब 4.5 अरब लोगों की इंटरनेट तक पहुंच हो गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आइएमएआई) के सर्वे के अनुसार 2019 में भारत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या करीब 45.1 करोड़ है। यह संख्या देश की आबादी की 36 फीसदी है। इनमें से 38.5 करोड़ उपभोक्ता 12 वर्ष से अधिक उम्र के हैं और 6.6 करोड़ 11 वर्ष या इससे कम आयु समूह के हैं। इनमें से ज्यादातर अपने परिजनों की डिवाइस पर इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। 16-20 वर्ष के आयु समूह युवा सबसे ज्यादा इंटरनेट का उपयोग करते हैं। देश में 25.8 करोड़ पुरुष और शेष महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं। भारत में इंटरनेट डेटा की खपत इसके सस्ते होने की वजह से भी बढ़ रही है। पिछले चार साल में डेटा की खपत 56 गुना बढ़ी है, वहीं दरों में कमी 99 प्रतिशत हुई है। इकोनॉमिक सर्वेक्षण के अनुसार 2016 में डेटा की दरें 200 रुपए प्रति जीबी थी, जो 2019 में घटकर 12 रुपए प्रति जीबी तक आ गई हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली एक पोर्न वेबसाइट ने बताया है कि भारत में 2018 में औसतन 8.23 मिनट पोर्न वीडियो देखे गए, वहीं 2019 में यह अवधि बढ़कर 9.51 मिनट हो गई। यह आंकड़ा सिर्फ एक वेबसाइट का है, जबकि दुनिया में पोर्न संबंधी 150 करोड़ वेब पेज सक्रिय हैं। इनमें 28 करोड़ वीडियो लिंक हैं। ये पोर्न वेबसाइट जिन 20 देशों में सबसे ज्यादा देखी गईं, उनमें भारत का स्थान तीसरा है। दरअसल इसी साल 'नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड, एक्सप्लॉयटेड चिल्ड्रेन' नाम के संगठन ने बालयौन शोषण से जुड़ी जानकारियां चाहीं थीं। संगठन को कुल 1.68 करोड़ सूचनाएं मिलीं। इनमें 19.87 लाख भारत से, 11.5 लाख पाकिस्तान और 5.5 लाख सूचनाएं बांग्लादेश से मिली थीं। बच्चों के संदर्भ में मिली यह जानकारी अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि ये वे आंकड़े हैं जिनकी सूचना उपलब्ध हो गई है। परंतु इनमें वे आंकड़े नहीं हैं, जिनकी सूचना नहीं मिल पाई है। साफ है, बेटियों से दरिंदगी की एक बड़ी वजह पोर्न साइट्स की बिना किसी बाधा के उपलब्धता है। ऐसे में जो विद्यार्थी इंटरनेट पर पढ़ाई के बहाने पोर्न देखने में लग जाते हैं, उनके पालक सामान्य तौर से ऐसा कैसे सोच सकते हैं कि वे जिनके भविष्य के सपने बुन रहे हैं, वे स्वयं किस मानसिक अवस्था से गुजर रहे हैं। ऐसे में उन अभिभावकों के बच्चों को ज्यादा भटकने का अवसर मिल रहा है, जिनके माता-पिता दोनों नौकरी में हैं। ऐसे में यह निगरानी रखनी मुश्किल होती है कि आखिर बच्चे मोबाइल पर देख क्या रहे हैं? इस कोरोना काल में यह बात मीडिया में तेजी से उठ रही है कि शैक्षिक संस्थान लंबे समय तक बंद रहने की स्थिति में पढ़ाई-लिखाई के लिए ऑनलाइन विकल्पों को क्यों न स्थाई बना दिया जाए? लेकिन यह प्रश्न नहीं उठाया जा रहा है कि पढ़ाई-लिखाई के दौरान बच्चे मोबाइल पर कौन-सा पाठ पढ़ रहे हैं? उन्हें कौन अज्ञात व्यक्ति बरगलाकर गलत दिशा दे रहा है? इसकी निगरानी कैसे संभव है? सोशल मीडिया पर निर्बाध पहुंच और बच्चों की जरूरतों के प्रति अभिभावकों की निश्चिंतता एवं लापरवाही इस तरह की घटनाओं के लिए ज्यादा जिम्मेवार है। ये घटनाएं इसलिए और बढ़ रही हैं क्योंकि हमारी परिवारिक और कौटुंबिक जो सरंचना थी, उसे सुनियोजित ढंग से तोड़ा जा रहा है। ऐसे में बच्चों को नैतिक मूल्यों से जुड़े पाठ, पाठ्यक्रम से तो गायब कर ही दिए हैं, घरों में भी दादा-दादी या नाना-नानी इन पाठों को किस्सों-कहानियों के जरिए पढ़ाने के लिए उपलब्ध नहीं रह गए हैं। यदि नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाने की बात कोई शिक्षाशास्त्री करता भी है तो उसे पुरातनपंथी कहकर नकार दिया जाता है। अब नई शिक्षा नीति में जरूर कुछ इस तरह के पाठ जोड़ने की पैरवी हो रही है। यह समस्या इसलिए विकट होती जा रही है क्योंकि इंटरनेट और सोशल प्लेटफॉर्म प्रदाता कंपनियां इस दुरुपयोग को रोकने के लिए कोई कारगर पहल करने को तैयार नहीं हैं। कंपनियां अक्सर इस तरह के मामले उठते हैं तो उस बाबत यह कहकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती हैं कि वह ऐसी किसी आपत्तिजनक तस्वीर या सामग्री के उपयोग की अनुमति नहीं देती। ज्यादा हुआ तो जो आपत्तिजनक सामग्री अपलोड हो जाती है, उसे हटाने का अश्वासन दे देती हैं। लेकिन कंपनी के ऐसे दावे भरोसे के लायक नहीं होते हैं, क्योंकि ऐसी सामग्री की पुनरावृत्ति होती रहती है। यदि ज्यादा जोर डाला जाता है तो सोशल साइट के उपभोक्ता सुनियोजित ढंग से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बाधित होने का शोर मचने लगते हैं और इंटरनेट का दुरुपयोग रोकने के उपायों को कोर्ट में चुनौती दे दी जाती है। इन बातों का यह अर्थ कतई नहीं है कि सोशल मीडिया पर नियमन, स्व-नियमन या सरकारी नियंत्रण की कोई जरूरत ही नहीं रह गई है। हकीकत यह है कि किशोर बच्चों के लिए इंटरनेट घातक साबित हो रहा है। इसलिए इस परिप्रेक्ष्य में नियंत्रण की जरूरत कहीं अधिक बढ़ गई है। इसका आधार यही है कि सोशल मीडिया पर बढ़ती अश्लील करतूतें अब नैतिक मर्यादा के उल्लंघन और सभ्य समाज की संरचना के लिए गंभीर चुनौती के रूप में पेश आने लगी हैं, इसलिए ओटीटी पर अंकुश जरूरी है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

जीवन साधना

श्रीराम शर्मा आचार्य

अध्यात्म विज्ञान के साधकों को अपने दृष्टिकोण में मौलिक परिवर्तन करना पड़ता है। सोचना होता है कि मानव जीवन की बहुमूल्य धरोहर इस प्रकार उपभोग करनी है, जिससे शरीर निर्वाह-लोक व्यवहार भी चलता रहे, साथ ही आत्मिक अपूर्णता को पूरा करने का चरम लक्ष्य भी प्राप्त हो सके। ईश्वर के दरबार में पहुंचकर सीना तानकर कहा जा सके कि जो अमानत जिस प्रयोजन के लिए सौंपी गई थी, उसे उसी हेतु सही रूप में प्रयुक्त किया गया है। इस मार्ग में सबसे बड़ी रुकावट तीन हैं-लोभ, मोह और अहंकार। इन्हीं के कारण मनुष्य पतन और पराभव के गर्त में गिरता है, पशु, प्रेत और पिशाच की जिंदगी जीता है। लोक विजय के लिए सादा जीवन उच्च विचार का सिद्धांत अपनाना पड़ता है। औसत नागरिक स्तर के निर्वाह में संतोष करना पड़ता है। ईमानदारी और परिश्रम की कमाई पर निर्भर रहना पड़ता है। जो विलास में अधिक खर्च करता है, प्रकारांतर से दूसरों को उतना ही अभावग्रस्त रहने के लिए मजबूर करता है। इसीलिए शास्त्रकारों ने परिग्रह को पाप बताया है। अधिक कमाया जा सकता है, पर उसमें से निजी निर्वाह में सीमित व्यय करके शेष बचत को गिरे हुए को उठाने, उठे हुए को उछालने और सत्प्रवृत्तियों के संवर्धन में लगाना जाना चाहिए। राजा जनक जैसे उदारहणों की कमी नहीं है। मितव्ययी अनेक र्दुव्यसनों और अनाचारों से बचता है। ऐसी हविस उसे सताती नहीं, जिसके लिए अनाचार पर उतारु होना पड़े। साधु ब्राह्मणों की यही परंपरा रही है। सज्जनों की शालीनता भी उसी आधार पर फलती-फूलती है। जीवन साधना के उस प्रथम अवरोध लोभ को नियंत्रित कराने वाला दृष्टिकोण हर साधक को अपनाना चाहिए। मोह वस्तुओं से भी होता है और व्यक्तियों से भी। छोटे दायरे में आत्मीयता सीमाबद्ध करना ही मोह है। उसके रहते हृदय की विशालता चरितार्थ ही नहीं होती। अपना शरीर और परिवार ही सब कुछ दिखाई पड़ता है। उन्हीं के लिए मरने-खपने के कुचक्र में फंसे रहना पड़ता है। अहंकार मोटे अथरे में घमंड माना जाता है। अशिष्ट व्यवहार, क्रोधग्रस्त रहना अंहकार की निशानी है। लोभ, मोह और अहंकार जिनके पास हैं, उनके लिए जीवन साधना की लंबी व ऊंची मंजिल पर चलना असंभव हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

'आधी दुनिया' के प्रति बढ़ते अपराध

– योगेश कुमार गोयल

महिलाओं के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने और उनके अधिकारों पर चर्चा के लिए प्रतिवर्ष 8 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम को संयुक्त राष्ट्र की ओर से महिलाओं के नेतृत्व को समर्पित किया गया है। कोरोना काल में सेवाएं देने वाली महिलाओं और लड़कियों के योगदान को रेखांकित करने के लिए इसबार महिला दिवस की थीम 'महिला नेतृत्व- कोविड-19 की दुनिया में एक समान भविष्य को प्राप्त करना' है। दरअसल पिछले एक साल से भी अधिक समय कोविड-19 महामारी के कहर से पूरी दुनिया प्रभावित हुई है और इस बुरे दौर में कोरोना योद्धाओं ने मानवीय सेवा की बड़ी मिसाल पेश की। इन्हीं कोरोना योद्धाओं में दुनियाभर में बहुत सारी महिलाओं ने भी न केवल आगे बढ़कर अग्रिम मोर्चे पर सेवाएं दी बल्कि अपनी कुशल नेतृत्व क्षमता का लोहा भी मनवाया। सोशलिस्ट पार्टी के आह्वान पर सबसे पहला महिला दिवस अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में 28 फरवरी 1909 को एक समाजवादी राजनीतिक कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था। उसके बाद जर्मनी की क्लारा जेडकिंट ने वर्ष 1910 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का विचार रखा। उनका कहना था कि विश्व में प्रत्येक देश की महिलाओं को अपने विचार रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने की योजना बनानी चाहिए। उसी के बाद एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें 17 देशों की कुल सौ महिलाओं ने हिस्सा लेते हुए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने पर सहमति जताई और 19 मार्च 1911 को ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी तथा स्विट्जरलैंड में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। करीब दो वर्ष बाद वर्ष 1913 में इसे 19 मार्च के बजाय 8 मार्च को मनाया जाना निर्धारित कर दिया गया। 1917 में सोवियत संघ द्वारा इस दिन राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया था। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पहली बार वर्ष 1975 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और 8 मार्च 1975 से दुनियाभर में यह दिवस प्रतिवर्ष अलग-अलग थीम के साथ मनाया जा रहा है। पिछले 46 वर्षों से प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस का आयोजन किया जा रहा है लेकिन चिंता की बात यही है कि इतने वर्षों में भी महिलाओं की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। जब हम महिलाओं के साथ लगातार सामने आती आपराधिक घटनाओं को देखते हैं तो सिर शर्म से झुक जाता है। वर्तमान सदी को महिलाओं के लिए समानता सुनिश्चित करने वाली सदी बनाने का आग्रह करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस कह चुके हैं कि न्याय, समानता तथा मानवाधिकारों के लिए लड़ाई तबतक अधूरी है, जबतक महिलाओं के साथ लैंगिक भेदभाव जारी है। पूरी दुनिया में भले महिला प्रगति के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं पर हकीकत यही है कि महिला सुरक्षा के लाख दावों के बावजूद उनकी स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। संयुक्त राष्ट्र महिला के आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में 15-19 आयु वर्ग की करीब डेढ़ करोड़ किशोर लड़कियां जीवन में कभी न कभी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं। करीब 35 फीसदी महिलाओं और लड़कियों को अपने जीवनकाल में शारीरिक एवं यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है। हिंसा की शिकार 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की हत्या उनके परिजनों द्वारा ही की जाती है, वैश्विक स्तर पर मानव तस्करी के शिकार लोगों में 50 फीसदी व्यस्क महिलाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन तीन में से एक महिला किसी न किसी प्रकार की शारीरिक हिंसा का शिकार होती हैं। हाल ही में एक ताजा अध्ययन में एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है, जिसमें 78.4 फीसदी महिलाओं ने स्वीकार किया कि उन्होंने सार्वजनिक स्थल हिंसा झेली है। करीब 68 फीसदी महिलाओं ने माना कि उन्होंने सार्वजनिक परिवहन में सफर करते समय हिंसा का अनुभव किया और इनमें से 38.5 फीसदी महिलाएं ऐसी हिंसा चुपचाप सह गई क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि उन्हें क्या करना है। महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को इसी से समझा जा सकता है कि महिला सुरक्षा के लिए बने तमाम कानूनों के बावजूद अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे महिला पुलिसकर्मियों तक से छेड़छाड़ और उन पर हमला करने से भी नहीं डरते। 3 मार्च 2021 को दिल्ली के द्वारका इलाके में चलती बस में एक युवक में 29 वर्षीया महिला कांस्टेबल से छेड़छाड़ शुरू कर दी लेकिन कांस्टेबल द्वारा विरोध करने और पुलिस में शिकायत करने की धमकी देने पर युवक महिला कांस्टेबल के सिर पर हेलमेट से वार कर बस से कूदकर फरार हो गया। हाल ही में राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में महिला अपराध के एक नृशंस मामले में जमानत पर बाहर आए दुष्कर्म के एक आरोपी ने पीड़िता को हत्या के इरादे से जिंदा जलाने का प्रयास किया। हादसे में पीड़िता 70 फीसदी तक झुलस गई और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में गत दिनों 12 वर्षीया बच्ची को बलात्कारी ने रेप के बाद मारकर अपने घर में गाड़ दिया। बच्ची अपने खेत में खाना खाने के बाद उसके घर पानी मांगने गई थी लेकिन उस बेचारी को क्या पता था कि उसे पानी नहीं बल्कि उसके बदले ऐसी दर्दनाक मौत मिलेगी। बिहार के सीतामढ़ी जिले के एक गांव में गांव के ही रहने वाले चार दबंग युवकों ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ रेप किया और जघन्य वारदात की वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। हैरानी की बात यह कि पुलिस द्वारा इस मामले में करीब एक सप्ताह बाद कदम उठाया गया। समूची मानवता को शर्मसार करती ऐसी घटनाएं सिस्टम पर भी गंभीर सवाल खड़े करती हैं। ऐसी कोई भी वीभत्स घटना सामने आने के बाद हर बार एक ही सवाल खड़ा होता है कि आखिर भारतीय समाज में कब और कैसे मिलेगी महिलाओं को सुरक्षा? कब तक महिलाएं घर से बाहर कदम रखने के बाद इसी प्रकार भय के साये में जीने को विवश रहेंगी? निर्भया कांड के बाद कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती।

हैदराबाद की बेटी दिशा का मामला हो या उन्नाव पीड़िता का अथवा हाथरस या बुलंदशहर की बेटियों का, लगातार सामने आते इस तरह के तमाम मामलों से स्पष्ट है कि केवल कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने वाले नहीं हैं। इसके लिए सबसे जरूरी है कि तमाम सरकारें प्रशासनिक मशीनरी को चुस्त-दुरूस्त करने के साथ ऐसे अपराधों के लिए प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अदाणी ग्रीन एनर्जी की इकाई ने गुजरात में 100 मेगावाट का पवन ऊर्जा संयंत्र चालू किया

नई दिल्ली: अदाणी ग्रीन एनर्जी ने सोमवार को कहा कि उसकी इकाई अदाणी विंड एनर्जी कच्छ थ्री लिमिटेड (एडब्ल्यूईकेटीएल) ने गुजरात के कच्छ में 100 मेगावाट का पवन ऊर्जा संयंत्र चालू किया है। इस संयंत्र के चालू हो जाने के साथ कंपनी की कुल परिचालन क्षमता 497 मेगावाट तक पहुंच गई है। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने एक वक्तव्य में इसकी जानकारी देते हुये कहा कि इस संयंत्र को तय समय से पांच महीने पहले चालू कर दिया गया। पिछले 12 माह में कंपनी का यह पांचवां प्रोजैक्ट है जिसे समय से पहले चालू किया गया। कंपनी ने कहा कि संयंत्र में बनने वाली बिजली की खरीद-फरोख्त का समझौता 2.82 रुपए प्रति केडब्ल्यूएच पर किया गया है। एजीईएल की कुल अक्षय ऊर्जा क्षमता 14,815 मेगावाट हो गई है। इसमें 11,470 मेगावाट ऐसी क्षमता है जिसके लिए ठेके दे दिए गए हैं और या फिर निर्माण के विभिन्न स्तरों पर है। इस परियोजना के साथ ही कंपनी ने कोविड-19 की चुनौती के बावजूद पिछले 12 माह के दौरान कुल 800 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता को जोड़ा है।

पंजाब सरकार ने 2021- 22 के लिये 1,68,015 करोड़ रुपये का बजट पेश किया

चंडीगढ़. पंजाब राज्य विधानसभा में सोमवार को वर्ष 2021-22 के लिये 1,68,015 करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया जिसमें फसल रिण माफी योजना के तहत 1.13 लाख किसानों के 1,188 करोड़ रुपये के फसली रिण माफ करने का प्रस्ताव किया गया है। पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत सिहं बादल ने राज्य विधानसभा में 2021- 22 का बजट पेश करते हुये राज्य में बुजुर्गों की पेंशन 750 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये महीना करने की भी घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने शगुन योजना के तहत दी जाने वाली राशि को भी 21 हजार रुपये से बढ़ाकर 51,000 रुपये करने का प्रस्ताव किया। बादल ने कहा कि फसल रिण माफी योजना के अगले चरण में राज्य सरकार 1.13 लाख किसानों का 1,186 करोड़ रुपये और भूमिहीन किसानों का 526 करोड़ रुपये का फसल कर्ज माफ करेगी। राज्य की अमरिंदर सिंह सरकार के मौजूदा कार्यकाल का यह आखिरी बजट है। राज्य में अगले साल के शुरुआती महीनों में चुनाव होने हैं।

एक्सिटेल ने बिना किसी अतिरिक्त लागत के ओटीटी एंटरटेनमेंट प्लान लॉन्च किया

नई दिल्ली। ब्रॉडबैंड नेटवर्क प्रदाता एक्सिटेल ने सोमवार को एक विशेष ब्रॉडबैंड प्लान शुरू करने का खुलासा किया, जिसे बढ़ती ओटीटी खपत को पूरा करने के लिए क्यूरेट किया गया है। बंडल सेवा इस महीने से शुरू हो रही है, जो कि ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त कीमत के जी5, वूट, इरोस, शेमारू जैसे कई प्रमुख ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफार्मों का उपयोग करने की अनुमति देती है। सदस्यता (सब्सक्रिप्शन) एक्सिटेल की 300 एमबीपीएस/3 महीने की योजना के साथ पूरक हैं, जिसकी कीमत 752 रुपये है और यह सभी एक्सिटेल सर्विसिंग शहरों में उपलब्ध है। एक्सिटेल के सीईओ और सह-संस्थापक विवेक रैना ने एक बयान में कहा, हम एक्सिटेल में, देश में युवाओं की बिंगल-वॉचिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रमुख ओटीटी दिग्गजों के साथ साझेदारी करके खुश हैं। बंडल पैक यूजर्स को बिना किसी अतिरिक्त लागत और शून्य बफरिंग के हमारे 300 एमबीपीएस पैकेज के साथ टॉप-ऑफ-द-लाइन ओटीटी कंटेंट का उपभोग करने में सक्षम बनाता है। एक्सिटेल ने वर्ष 2020 में लगभग 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और इस दौरान इसने अपने यूजर (उपयोगकर्ता) आधार को 5,00,000 तक बढ़ाया है। वर्तमान में दिल्ली/एनसीआर, जयपुर, लखनऊ, प्रयागराज सहित 19 शहरों में इसका परिचालन हो रहा है। एक्सिटेल ब्रॉडबैंड 2021 के अंत तक 50 से अधिक शहरों में भी विस्तार की दिशा में काम कर रहा है।

5जी के मामले में अमेरिका से 10 कदम आगे चीन : एरिक श्मिट

न्यूयॉर्क.

गूगल के पूर्व सीईओ एरिक श्मिट ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से 5जी के काम में तेजी लाने का अनुरोध किया है और इस बात की भी चेतावनी दी है कि चीन इस मामले में अमेरिका से करीब दस कदम आगे है और यह गंभीर स्थिति किसी आपातकाल से कम नहीं है। श्मिट ने रविवार को सीएनएन को दिए साक्षात्कार में बताया, मेरा अनुमान है कि 5जी के क्षेत्र में चीन हमसे लगभग 10 गुना आगे है। यह एक राष्ट्रीय आपातकाल है। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए आवश्यक बैंडविड्थ और धन प्राप्त करने की आवश्यकता है ताकि इसमें आगे बढ़ा जा सके। हम पहले ही काफी पीछे चल रहे हैं और यह एक गंभीर स्थिति है। श्मिट की यह टिप्पणी चीन के हुवावे को लेकर है, जो कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में 5जी तकनीक में अग्रणी बनकर उभरी है। ट्रंप प्रशासन ने साल 2020 में चीन में 5जी तकनीक के विक्रेताओं

हुवावे और जेडटीई के खिलाफ एक अभियान की अगुवाई की थी। अमेरिका ने कहा था कि विदेशी बाजारों में अपनी पैठ जमाने के लिए हुवावे चीन का एक पिछला दरवाजा है और साथ ही यह राष्ट्रीय सुरक्षा, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, गोपनीयता और मानवाधिकारों के लिए किसी खतरे से कम नहीं है। श्मिट ने एक ऐसे वक्त पर अपना यह बयान दिया है, जब हुवावे ने भारत में अपने नए करार पर मुहर लगा दी है। द इकोनॉमिक टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि भारती एयरटेल ने हुवावे को लगभग 300 करोड़ रुपये का एक अनुबंध सौंपा है, जो बुनियादी ढांचे में विस्तार से संबंधित है।

एसबीआई कार्ड की रिण प्रतिभूतियों के जरिये 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

नयी दिल्ली,

एसबीआई काड्र्स एण्ड पेमेंट सविर्सिज लिमिटेड (एसबीआई कार्ड) ने सोमवार को कहा कि उसकी एक अथवा अधिक किस्तों में रिण प्रतिभूतियों के जरिये 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। एसबीआई कार्ड ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में इसकी जानकारी देते हुये कहा है कि कंपनी के निदेशक मंडल की एक बैठक शुक्रवार (12 मार्च) को होने जा रही है। बैठक में कुल मिलाकर 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिये गैर- परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार होगा और उसे मंजूरी दी जायेगी। इसमें कहा गया है कि यह धन एक अथवा एक से अधिक किस्तों में जुटाया जायेगा। बंबई शेयर बाजार में एसबीआई कार्ड का शेयर पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव के मुकाबले 0.93 प्रतिशत बढ़कर 1,068.15 रुपये पर चल रहा था।

भारतीय कंपनियों का विदेशी बाजार में निवेश फरवरी में 31% घटकर 1.85 अरब डॉलर पर

मुंबई: भारतीय कंपनियों का विदेशी बाजारों में निवेश फरवरी में 31 प्रतिशत घटकर 1.85 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू कंपनियों ने फरवरी में अपनी विदेशी अनुषंगियों और संयुक्त उपक्रमों में 2.66 अरब डॉलर का निवेश किया था। रिजर्व बैंक के अनुसार, भारतीय कंपनियों के विदेशी बाजारों में कुल निवेश में 1.36 अरब डॉलर ऋण के रूप में में दिए गए। 29.73 करोड़ डॉलर का निवेश इक्विटी के रूप में हुआ और शेष 18.38 करोड़ रुपये गारंटी के रूप में दिए गए। हालांकि, भारतीय कंपनियों का कुल विदेशी निवेश जनवरी के 1.19 अरब डॉलर की तुलना में अधिक रहा। फरवरी में भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी बाजार में किए गए प्रमुख निवेश में टाटा स्टील द्वारा सिंगापुर की अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी में एक अरब डॉलर तथा सन फार्मास्युटिकल्स द्वारा अमेरिका में संयुक्त उद्यम में किया गया 10 करोड़ डॉलर का निवेश शामिल है। ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल) ने रूस, मोजाम्बिक, म्यामां, सूडान, कोलंबिया, वियतनाम और अजरबेजान में अपनी विभिन्न संयुक्त उपक्रमों-पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगियों में 9.61 करोड़ डॉलर का निवेश किया।

फ्यूचर समूह की महिला कर्मचारियों की उनकी जीविका की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की अपील

नई दिल्ली :

ई-वाणिज्य मंच अमेजन और बिग बाजार चलाने वाले फ्यूचर समूह में जारी कानूनी लड़ाई के बीच बिग बाजार के लिए काम करने वाले महिला समूह ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी जीविका की रक्षा के लिए मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे एक पत्र में बिग बाजार एसओएस समूह की महिलाओं ने कहा है, ''फ्यूचर रिटेल और रिलायंस के बीच एक समझौता हुआ है जिसके तहत फ्यूचर रिटले के स्टोरों को रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा चलाया जाएगा। रिलायंस ने इसके साथ ही फ्यूचर रिटेल के आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं के भी सभी बकाए का भुगतान करने की प्रतिबिद्धता जताई है। प्रधानमंत्री को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर भेजे गए इस पत्र में कहा गया है, ''कोरोना वायरस महामारी के दौरान जहां हमें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, वहीं इस सौदे से हमें अपनी जीविका आगे भी बेहतर ढंग से जारी रहने की उम्मीद बंधी थी लेकिन अमेजन के इस गठबंधन को रोकने के प्रयास के चलते हमारी और हमारे परिवार की रोजी रोटी के समक्ष खतरा पैदा हो रहा है।%% बिग बाजार से जुड़े इस समूह का दावा है कि उसके साथ दो लाख से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। इनमें दस हजार के करीब महिलायें तो सीधे फ्यूचर समूह से जुड़ी हैं जबकि अन्य दो लाख के करीब महिलाएं अप्रत्यक्ष तौर पर अपनी जीविका समूह के जरिए कमाती हैं। ये महिला समूह फ्यूचर समूह के बिग बाजार ब्रांड के लिए उत्पादों की आपूर्ति करते हैं। समूह के अन्य ब्रांड जैसे एफबीबी, सेंट्रल ब्रांड फैक्टरी, ईजीडे, हेरिटेज सिटी, डब्ल्यूएच स्मिथ और 7-इलेवन आदि को भी उत्पादों की आपूर्ति की जाती है। समूह ने कहा है कि उनका रोजगार छिन जाने के बाद उन्हें और उनके पारिवार को गहरा झटका लगेगा। इसके परिणामस्वरूप उन्हें गहरी कठिनाई से गुजरना पड़ सकता है। महिला समूह ने कहा है कि यदि फ्यूचर समूह-रिलायंस के बीच हुए समझौते में अमेजन को हस्तक्षेप करने देने की अनुमति दी गई तो इसका इन छोटे शहरों में जीविका का भरण पोषण करने वाले महिला समूहों पर बुरा असर होगा। देश के छह हजार के करीब छोटे कारोबारियों और आपूर्तिकर्ताओं का फ्यूचर समूह पर 6,000 करोड़ रुपए का बकाया है।

फ्यूचर समूह और अमेजन इस समय कानूनी लड़ाई में उलझे हुये हैं। फ्यूचर समूह के खुदरा और थोक कारोबार को रिलायंस रिटेल को बेचने का समझौता हुआ है जिसमें अमेजन ने आपत्ति जताई है। दोनों पक्षों ने कई कानूनी मंचों पर यह मामला उठाया है।

शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार, मामूली बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स, निफ्टी

मुंबई।

देश के शेयर बाजार में सोमवार को भारी उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार हुआ। हालांकि सत्र के आखिर में प्रमुख संवेदी सूचकांक मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पिछले सत्र से महज 35.75 अंक चढ़कर 50,441.07 पर ठहरा जबकि 18.10 अंकों की बढ़त बनाकर 14,956.20 पर बंद हुआ। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स बीते सत्र से 248.70 अंकों की बढ़त के साथ 50,654.02 पर खुला और 50,985.77 उछला, जबकि दिनभर के दौरान सेंसेक्स का निचला स्तर 50,318.26 रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी भी बीते सत्र से 64.35 अंकों की तेजी के साथ 15,002.45 पर खुला और 15,111.15 तक चढ़ा, जबकि दिनभर के कारोबार के दौरान निफ्टी का निचला स्तर 14,919.90 रहा। बीएसई मिडकैप सूचकांक बीते सत्र से 61.64 अंकों यानी 0.30 फीसदी की तेजी के साथ 20,649.44 पर बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक 131.18 अंकों यानी 0.63 फीसदी की तेजी के साथ 21,067.20 पर ठहरा। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 शेयरों में तेजी रही, जबकि 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के सबसे ज्यादा तेजी वाले पांच शेयरों में एलएंडटी (3.43फीसदी), ओएनजीसी (2.96 फीसदी), एचसीएलटेक (2.22फीसदी),एनटीपीसी (1.66 फीसदी) और एक्सिस बैंक (1.60फीसदी) शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा गिरावट वाले पांच शेयरों में बजाज फाइनेंस (2.22 फीसदी), अल्ट्राटेक सीमेंट (2.22 फीसदी),इंडसइंड बैंक (2.05 फीसदी), बजाज ऑटो (1.40 फीसदी) और एचडीएफसी (1.60फीसदी) शामिल रहे।

युवा महिला निवेशक उच्च जोखिम, अधिक रिटर्न वाली संपत्तियों में करती हैं निवेश: सर्वे

नई दिल्ली :

युवा महिला निवेशक उच्च जोखिम और अधिक रिटर्न देने वाली संपत्तियों मसलन शेयरों आदि में निवेश करना पसंद करती हैं। एक सर्वे के अनुसार 18 से 25 साल की महिला निवेशकों द्वारा सुरक्षित निवेश विकल्प मसलन सावधि जमा (एफडी) के बजाय उच्च जोखिम वाले विकल्पों में निवेश करने की संभावना तीन गुना अधिक रहती है। यह सर्वे ग्रो ने किया है। इसमें 28,000 लोगों से प्रतिक्रियाएं ली गईं। सर्वे में महिलाओं के निवेश लक्ष्य के बारे में भी बताया गया है।

आय और उम्र के साथ बदल जाते हैं निवेश लक्ष्य

सर्वे के अनुसार 57 प्रतिशत युवा महिलाएं अपने निजी लक्ष्य को हासिल करने के लिए निवेश करती हैं। वहीं 28 प्रतिशत अपने यात्रा लक्ष्य को हासिल करने और 28 प्रतिशत उच्च शिक्षा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए निवेश करती हैं। सर्वे में कहा गया है कि आय और उम्र के साथ निवेश लक्ष्य बदल जाते हैं। इसमें कहा गया है कि 30 लाख रुपए सालाना से अधिक वेतन वाली महिलाएं ने कहा कि जल्दी सेवानिवृत्ति लेने की वजह से वे निवेश करती हैं।

म्यूचुअल फंड में निवेश महिलाओं का सबसे पसंदीदा विकल्प

10 से 30 लाख रुपए की आमदनी वाली 36 प्रतिशत और 5 से 10 लाख रुपए सालाना कमाने वाली 26 प्रतिशत महिलाओं ने यही बात कही। वहीं 35 साल से अधिक आयु की 64 प्रतिशत महिलाओं का कहना था कि वे शादी और बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश कर रही हैं। सर्वे में बताया गया है कि म्यूचुअल फंड में निवेश महिलाओं का सबसे पसंदीदा विकल्प है। सभी वेतन वर्गों की महिलाएं म्यूचुअल फंड में निवेश पसंद करती हैं। महिलाएं सोने में अच्छा-खासा निवेश करती

हैं। सर्वे में शामिल 25 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि उन्होंने सोने में निवेश किया है। 10 लाख रुपए सालाना से अधिक कमाने वाली 40 प्रतिशत महिलाओं ने सोने में निवेश किया है। इसके अलावा 30 लाख रुपए सालाना से अधिक कमाने वाली 6 प्रतिशत महिलाओं ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश किया है। वहीं 10 लाख रुपए सालाना से कम कमाने वाली सिर्फ 4 प्रतिशत महिलाओं ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश किया है।

फ्लिपकार्ट पर मोटोरोला 4के एंड्रॉएड टीवी स्टिक लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने सोमवार को भारत में मोटोरोला 4के एंड्रॉएड टीवी स्टिक को 3,999 रुपये में लॉन्च किया। मोटोरोला 4के एंड्रॉएड टीवी स्टिक उच्च प्रदर्शन वाले कॉर्टेक्स ए53 क्वाड-कोर 2 गीगाहर्ट्ज 64-बिट प्रोसेसर और माली जी31 एमपी 2 - 850 मेगाहर्ट्ज ग्राफिक इंजन से लैस है। फ्लिपकार्ट में प्राइवेट ब्रांड्स के उपाध्यक्ष चाणक्य गुप्ता ने एक बयान में कहा, सेगमेंट में प्रवेश करने के लिए ब्रांडों के लिए यह एक अच्छा समय है। मोटोरोला एक विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित और विश्वसनीय ब्रांड है। उन उपभोक्ताओं के लिए मोटोरोला टीवी स्टिक एक बेहतरीन विकल्प है, जो घर पर अपनी पसंदीदा वीडियो सामग्री का आनंद लेना चाहते हैं। यह एंड्रॉयड 9.0 ओएस द्वारा संचालित है और इसमें एक बिल्ट-इन क्रोमकास्ट है, जो यूजर्स को टीवी पर अपने मोबाइल स्क्रीन को प्रोजेक्ट करने की अनुमति देता है। यह 2 जीबी रैम से लैस है, जो बेहतर ब्राउजिंग को सक्षम बनाता है। 2160पी, 1080पी, 720पी के 60 फ्रेम प्रति सेकंड के रिजोल्यूशन के साथ, स्ट्रीमर एक अल्ट्रा एचडी और फुल एचडी देखने का अनुभव प्रदान करता है। यह एचडीआर 10 और एचएलजी वीडियो प्रारूपों का भी समर्थन करता है और इसमें नेटफिलक्स, अमेजन प्राइम वीडियो, जी5 और यूट्यूब जैसे लोकप्रिय स्ट्रीमिंग ऐप के लिए हॉट की है। मोटोरोला मोबिलिटी में कंट्री हेड और प्रबंध निदेशक प्रशांत मणि ने एक बयान में कहा, हमें फ्लिपकार्ट पर मोटोरोला उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ एक और सार्थक जुड़ाव के साथ अपने संबंधों को बढ़ाने में खुशी हो रही है और यह विश्वास है कि यह अधिक उपभोक्ताओं को अपनी पसंदीदा सामग्री का आनंद लेने में सक्षम बनाएगा।

Air India को खरीदने के लिए केवल दो कंपनियां कतार में, अन्य के आवेदन खारिज

बिजनेस डेस्क :

सरकारी एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया खरीदने की रेस से एयर इंडिया के कर्मचारियों का कंसोर्शियम बाहर हो गया है। कर्मचारियों के समूह ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जमा किया था लेकिन वह अगले चरण में जाने के लिए जगह नहीं बना पाई है। 8 मार्च को एयर इंडिया एंप्लॉयीज को भेजे एक लेटर में कंपनी के कमर्शियल डायरेक्टर मीनाक्षी मलिक ने कहा कि कंसोर्शियम शॉर्टलिस्ट नहीं हो पाई है। एयर इंडिया में हिस्सेदारी लेने की दौड़ में अब टाटा संस और स्पाइस जेट आमने सामने है। मलिक एंप्लॉयी कंसोर्शियम को लीड कर रही थी। उन्होंने कहा, पिछली रात को भारत सरकार के ट्रांजैक्शन एडवाइजर अर्नेस्ट एंड यंग **LLP** ने एक ईमेल के जरिए बताया कि हम डिसइनवेस्टमेंट एक्वाजिशन प्रोसेस में अगले चरण में नहीं जा पाए हैं। मलिक ने लेटर में कहा है, बहुत दुख के साथ मुझे यह बताना पड़ रहा है कि हम एयर इंडिया की बीडिंग प्रोसेस से बाहर हो चुके हैं। मैं बस इतना कह सकती हूं कि पिछले कुछ महीनों के दौरान हम सबने जो कोशिशें की थी वह सराहनीय है। इसके बाद मलिक ने **E&Y** के मेल का एक हिस्सा डाला है। इसके मुताबिक **E&Y** ने कहा है, आपकी तरफ से जमा **EOI** और दूसरे डॉक्यूमेंट्स के आकलन के बाद हमने पाया कि एयर इंडिया के स्ट्रैटेजिक डिसइनवेस्टमेंट के प्रीलिमनरी इनफॉरमेशन मेमोरेंडम **(PIM)** की शर्तों को आप पूरा नहीं कर पाए हैं। इसलिए इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है।

सऊदी 'ऑयल अटैक' से कच्चे तेल में लगी आग, भाव 71 डॉलर के पार

नई दिल्ली :

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आग लग गई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक ऐसी रिपोर्ट आ रही हैं कि सऊदी अरब के तेल ठिकानों पर ईरान समर्थित हाउदी विद्रोहियों ने मिसाइल दागे हैं। इसके बाद से क्रूड की सप्लाई को लेकर आशंका बन गई और कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। 8 मार्च को सुबह ब्रेंट क्रूड 71 डॉलर के पार चला गया। वहीं ḍ्ड्ढ क्रूड भी 2 साल में सबसे महंगा हो गया है। एक्सपर्ट जियो पॉलिटिकल टेंशन के चलते क्रूड की कीमतों में अभी और तेजी देख रहे हैं। ऐसे में भारत में पेट्रोल और डीजल सस्ता होने की उम्मीदों को झटका लग सकता है। ब्रेंट क्रूड का भाव 71 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया है। यह कोरोना वायरस महामारी आने के बाद से सबसे ज्यादा भाव है। वहीं, डबल्यूटीआई क्रूड का भाव 67.50 डॉलर प्रति बैरल हो गया। यह अक्टूबर 2018 के बाद से पहली बार 67 डॉलर के पार गया है। हाउदी विद्रोहियों ने सऊदी अरब के तेल और मिलिट्री ठिकानों पर मिसाल से हमले किए हैं। हालांकि अबतक किसी बड़े डैमेज की खबर नहीं आई है।

दुनिया का सबसे बड़ा आयल टर्मिनल

विद्रोहियों ने सऊदी अरामको के रास तनुरा बेस पर हमला किया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा आयल टर्मिनल है। इसकी क्षमता रोज 6.5 मिलियन बैरल एक्सपोर्ट की है जो मौजूदा समय में आयल डिमांड का 7 फीसदी है। एंजेल ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता का कहना है कि जियो पॉलिटिकल टेंशन के चलते कच्चे तेल में यह तेजी जारी रहेगी। आगे ब्रेंट क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल और डबल्यूटीआई क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल तक महंगा हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड के साथ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल के आखिर में इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के साथ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने सोमवार को ट्वीटर पर इसकी जानकारी दी।उन्होंने कहा, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर यह घोषणा करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल के आखिर में इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के साथ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। मुझे उम्मीद है कि भारतीय महिला टीम फिर से सफेद जर्सी में दिखेगी।भारतीय महिला क्रिकेट टीम 2014 के बाद से पहली बार कोई टेस्ट मैच खेलेगी। टीम अभी दक्षिण अफ्रीका के साथ लखनउ में पांच मैचों की वनडे सीरीज खेली रही है और मेजबान टीम पहला मैच हार चुकी है।

जोकोविच ने तोड़ा फेडरर का रिकॉर्ड, सबसे अधिक समय तक शीर्ष पर रहने वाले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली ।

हाल ही में अपना नौवां ऑस्ट्रेलियाई ओपन और 18वां ग्रैंडस्लैम का खिताब जीतने वाले टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने दिग्गज रोजर फेडरर को पछाड़कर एटीपी रैंकिंग में सबसे अधिक समय तक शीर्ष पर रहने का रिकार्ड अपने नाम किया। एटीपी की ताजा रैंकिंग में जोकोविच शीर्ष पर है जिससे वह कुल 311वें सप्ताह में शीर्ष पर बनें हुए है जबकि फेडरर 310 सप्ताह तक शीर्ष पर रहे थे। एटीपी से जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा, 'मुझे यह वास्तव में दिग्गजों के रास्ते पर चलने के लिए उत्साहित करता है।% उन्होंने कहा, 'यह जानना बहुत ही शानदार है कि मैंने अपने बचपन के सपने को उनके बीच रहते हुए पूरा किया। इस उपलब्धि से यह भी पुष्टि होती है कि जब आप लगन और जुनून से कुछ करते है, तो सब कुछ संभव है।% एटीपी मास्टर्स 1000 की रिकार्ड 36 ट्रॉफिया जीतने वाले जोकोविच पहली बार चार जुलाई 2011 को रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे। वह इसके बाद पांच अलग अलग समय पर रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज रहे। फेडरर ने 16 जुलाई 2012 को पीट सम्प्रास के 286 सप्ताह तक रैंकिंग में शीर्ष पर रहने का रिकार्ड को तोड़ा था। 37 साल के जोकोविच 21 मई 2018 को रैंकिंग में 22वें स्थान पर खिसक गये थे लेकिन इसी साल (2018) पांच नवंबर को उन्होंने शीर्ष पायदान पर अपनी वापसी की थी। उन्होंने पिछला साल रिकार्ड की बराबरी करते हुए छठी बार रैंकिंग में शीर्ष पर रहते हुए खत्म किया था। इस मामले में उन्होंने सम्प्रास की बराबरी की थी। फेडरर, राफेल नडाल और जिमी कोनोर्स ने पांच-पांच बार शीर्ष पर रहते हुए साल खत्म किया है। जोकोविच पिछले साल फरवरी में पांचवीं बार रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे और तब से इसी स्थान पर काबिज है।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप : भारत-न्यूजीलैंड के बीच इस दिन और इस मैदान पर खेला जाएगा फाइनल

नई दिल्ली ।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल का मैच लॉर्ड्स के मैदान पर नहीं खेला जाएगा। टेस्ट चैंपियनशिप साउथेम्प्टन के एजेस बाउल में खेला जाएगा। यह फाइनल 18 जून से 22 जून तक भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेला जाएगा। 23 जून को रिजर्व दिन के रूप में रखा जाएगा। इसकी पुष्टि **BCCI** के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने की। उन्होंने कहा कि हां, साउथेम्प्टन में कोविड 19 की स्थिति पर नजर रखते हुए फाइनल खेला जाएगा। विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने इंग्लैंड की टीम को घरेलू जमीन पर 3-1 से हराकर आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक तालिका पर पहला स्थान हासिल किया। भारतीय टीम ने सर्वाधिक जीत प्रतिशत 72.2 के साथ न्यूजीलैंड को पछाड़ पहले स्थान पर पहुंची। न्यूजीलैंड टीम आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम है। न्यूजीलैंड ने 70 प्रतिशत जीत के साथ अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस टूर्नामेंट के लिए 69.2 जीत प्रतिशत रहा और वह तीसरे स्थान पर मौजूद रहा। वहीं भारत के हाथों 3-1 से सीरीज हारने के बाद इंग्लैंड की टीम को बड़ा झटका और वह अंक तालिका में चौथे स्थान पर रही। इंग्लैंड की टीम के आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 61.4 प्रतिशत अंक ही हासिल कर पाई।

रोड टू मेल्टवाटर विदित टूर शतरंज - ग्रांड मास्टर गुकेश बने विजेता

नई दिल्ली (निकलेश जैन) रोड टू मेल्टवाटर शतरंज के ख़िताबी मुक़ाबले मे दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के ग्रांड मास्टर डी गुकेश नें ख़िताबी जीत हासिल की । इसके साथ ही गुकेश समेत आठ खिलाड़ी चैम्पियन चैस टूर के इंडियन क्वालिफायर मे जगह बनाने मे कामयाब रहे । फाइनल मुक़ाबले मे गुकेश और इंटरनेशनल मास्टर आरोण्यक घोष के बीच बेहद ही कड़ा और रोमांचक मुक़ाबला खेला गया । दोनों के बीच पहले चार रैपिड मुक़ाबले खेले गए जो की बिना किसी परिणाम के समाप्त हुए और स्कोर 2-2 से बराबरी मे था इसके बाद हुआ टाईब्रेक के तौर पर अरमागोदेन का मुक़ाबला जिसमें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए गुकेश नें 48 चालों मे जीत दर्ज करते हुए 3-2 से फाइनल अपने नाम कर लिया और विजेता बन गए जबकि अरोण्यक को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा । तीसरे स्थान के लिए हुए मुक़ाबले मे एसएल नारायनन नें अर्जुन एरिगासी को 2-1 से पराजित किया ।

आईएसएल-7 (सेमीफाइनल-2, लेग-2) : फाइनल का टिकट पाना चाहेंगे एटीकेएमबी, हाईलैंडर्स

फातोर्दा (गोवा)।

एटीके मोहन बागान और हाईलैंडर्स नाम से मशहूर नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी की टीमों ने हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन के दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण में 1-1 से ड्रॉ खेला था। अब जबकि दूसरा चरण मंगलवार को फातोर्दा के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में होना है, दोनों टीमें अपना पूरा दमखम झोंकेत हुए फाइनल का टिकट हासिल करना चाहेंगी। हाईलैंडर्स टीम पहली बार फाइनल में जाने के लिए प्रयासरत है जबकि एंटोनियो हाबास की देखरेख में एटीके मोहन बागान तीसरी बार फाइनल खेलना चाहेगी। हाईलैंडर्स ने अंतिम मिनट में इदरिसा सिल्ला द्वारा किए गए गोल की मदद से हाबास की टीम को जीत नहीं हासिल करने दिया था। इस टीम ने हालांकि 34वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली थी।कोलकाता टीम का डिफेंस पूरे सीजन के दौरान काफी मजबूत रहा है। इस टीम ने सिर्फ 15 गोल खाए हैं लेकिन इस टीम ने अपने बीते तीन मैचों में पांच गोल खाए हैं, जिसके कारण उसे विनर्स शील्ड गंवाना पड़ा4।कोच हाबास मानते हैं कि इस तरह के हालात आते हैं और क्योंकि कई मौकों पर खिलाड़ी अपना ध्यान खो देते हैं।हाबास हालांकि अगले मैच को लेकर रिलैक्स्ड नजर आए। हाबास ने कहा, किसी तरह का दबाव नहीं है। यह बड़े मौके भुनाने का अवसर है और यह मौका दोबारा हाथ नहीं आएगा। हमें इस पल का लुत्फ लेना होगा। हमें अपना श्रेष्ठ देते हुए सेमीफाइनल के एंजॉय करना होगा। खालिद जमील की टीम, जो कि बीते 10 मैचों से अजेय है, के बारे में उनके अप्रोच पर पूछे जाने पर हबास ने कहा, मैंने अपने खिलाड़ियों से संयम बनाए रखने के लिए कहा है। रणनीति बिल्कुल साफ है। संयम बनाए रखते हुए अच्छी फुटबाल खेलना है।बागान टीम मंगलवार को एकर बार फिर डेविड विलियम्स और रॉय कृष्णा पर आश्रित होगी क्योंकि दोनों इस स्तर पर लक्ष्यों के साथ योगदान करने में कभी असफल

नहीं हुए। नॉर्थईस्ट के लिए, जो जमील की देखरेख में अब तक नाबाद है, यह उसका पहला फाइनल होगा, बशर्ते वह एटीकेएमबी को हरा दे। जमील ने कहा, हमें परिणाम प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा क्योंकि यह एक करो या मरो का खेल है। हमेशा दबाव होता है। मैंने लड़कों को इस दबाव का आनंद लेने के लिए कहा है। दोनों टीमों को अवे के गोल नहीं होने के कारण परिणाम के लिए लड़ना है, इसलिए यह हमारे प्रतिद्वंद्वी के लिए भी समान है।

संक्षिप्त समाचार

स्विस ओपन : सिंधु को फाइनल मिली हार, मारिन ने एकतरफा मुकाबले में किया चित

बासेल । विश्व चैम्पियन पीवी सिंधु को स्विस ओपन के फाइनल में रविवार को यहां ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कैरोलिना मारिन ने एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी। 25 साल की भारतीय खिलाड़ी के पास मारिन की फुर्ती और सटीक खेल का कोई जवाब नहीं था। स्पेन की इस खिलाड़ी ने सिंधु को सिर्फ 35 मिनट में 21-12, 21-5 से मात दी। सिंधु की यह मारिन के खिलाफ लगातार तीसरी हार है। मारिन ने इससे पहले थाईलैंड में आयोजित दोनों सुपर 1000 स्पर्धा का खिताब अपने नाम किया था। वह एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में उपविजेता रही थी। इस जीत से विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज मारिन ने साल का अपना तीसरा खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में सातवें पायदान पर काबिज सिंधु पिछले 18 महीने में अपना पहला फाइनल मुकाबला खेल रही थी। इस मैच से पहले विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ 13 मैचों में उन्होंने पांच में जीत दर्ज की थी। सिंधु ने पिछले चार मैचों में एक भी गेम नहीं गंवाया था लेकिन वह मारिन के खिलाफ दबाव में इस लय को बरकरार नहीं रख सकी। मारिन ने रियो ओलंपिक (2016) के फाइनल में भी सिंधु को हराया था। सिंधु अब 17 से 21 मार्च तक 8,50,000 डॉलर इनामी ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर : मनिका और साथियान दूसरे राउंड में

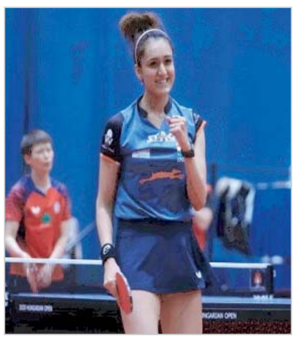

भारतीय टेबल टेनिस मनिका बत्रा और जी साथियान ने यहां जारी वर्ल्ड टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) स्टार कंटेंडर टूर्नामेंट में अपने-अपने मुकाबले जीत कर दूसरे राउंड में जगह बना ली। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मनिका ने महिला एकल पहले राउंड में चीनी ताइपे की हेसिन तेजइ चेंग को 3-0 से मात दी। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी को 11-5, 11-9, 11-9 से हराया। राउंड-16 में मनिका का सामना मंगलवार को वर्ल्ड नंबर-3 जापान की मिमा से होगा। पुरुष एकल में वर्ल्ड नंबर-37 जी साथियान ने 40वीं रैंकिंग के खिलाड़ी इमैनुअल लेबेसन को 3-2 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। साथियान ने लेबेसन को 9-11, 7-11, 11-7, 11-4, 11-4 से मात दी। राउंड-16 में अब साथियान की सामना वर्ल्ड नंबर-5 जापान के हेरिमोतो तोमोकेजु से होगा। उधर चार बार के राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता अचंता शरत कमल अपने पहले राउंड में प्यूटरे रिको के ब्रायन अफानाडोर से भिड़ेंगे।

पहलवान बजरंग पूनिया ने स्वर्ण जीतकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की

रोम ।

तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों में लगे भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया ने आखिरी 30 सेकेंड में 2 अंक बनाकर माटियो पेलिकोन रैंकिंग कुश्ती सीरीज में स्वर्ण पदक जीतकर अपने खिताब का बचाव किया जिससे उन्होंने अपने वजन वर्ग में फिर से नंबर एक रैंकिंग हासिल कर ली।

मंगोलिया के तुल्गा तुमूर ओचिर के खिलाफ 65 किग्रा के फाइनल में बजरंग अंतिम क्षणों तक 0-2 से पीछे चल रहे थे लेकिन आखिरी 30 सेकेंड में उन्होंने दो अंक बनाकर स्कोर बराबर कर दिया। रविवार को हुए इस मुकाबले में भारतीय पहलवान ने अंतिम अंक बनाया था और इस आधार पर उन्हें विजेता घोषित किया गया। बजरंग इस प्रतियोगिता से पहले अपने वजन वर्ग की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर थे लेकिन यहां 14 अंक हासिल करने से वह शीर्ष पर पहुंच गए। ताजा रैंकिंग केवल इस टूर्नामेंट के परिणाम पर आधारित है और इसलिए स्वर्ण पदक जीतने वाला पहलवान नंबर एक रैंकिंग हासिल कर रहा है। विशाल कालीरमण ने गैर ओलंपिक वर्ग 70 किग्रा में प्रभावित किया। उन्होंने कजाखस्तान के सीरबाज तालगत को 5-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। इस बीच चार साल के

डोपिंग प्रतिबंध के बाद प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी करने वाले नरसिंह पंचम यादव कांस्य पदक के मुकाबले कजाखस्तान के दानियार कैसानोव से हार गए। भारत ने साल की इस पहली रैंकिंग सीरीज में सात पदक जीते। महिला वर्ग में विनेश फोगाट ने स्वर्ण और सरिता मोर ने रजत पदक जीता था। ग्रीको रोमन के पहलवान नीरज (63 किग्रा), कुलदीप मलिक (72 किग्रा) और नवीन (130 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे।

क्वालीफायर टॉसन ने जीता लियोन ओपन का खिताब

लियोन ।

डेनमार्क की किशोरी क्लारा टॉसन ने विक्टोरिया गोलुबिच को सीधे सेटों में हराकर लियोन ओपन टूर्नामेंट का खिताब जीता। यह उनके करियर का पहला खिताब है। क्वालीफाईंग के दो राउंड से लेकर आखिर तक एक भी सेट नहीं गंवाने वाली टॉसन ने गोलुबिच को 6-4, 6-1 से हराया। इस जीत से 139वें रैंकिंग की टॉसन शीर्ष 100 में शामिल हो जाएगी। टॉसन ने मैच के बाद कहा, ''जब मैं इस तरह का खेल खेलती हूं तो वास्तव में अच्छी खिलाड़ियों को भी हरा सकती हूं। मैंने इसके लिये कड़ी मेहनत की है। मैं जब यहां आयी थी तो मैं क्वालीफायर थी। मैंने वास्तव में इसकी उम्मीद नहीं की थी।

प्रीमियर लीग : मैनचेस्टर युनाइटेड ने मैनचेस्टर सिटी के 21 मैचों के विजयक्रम को तोड़ा

लंदन। मैनचेसटर युनाइटेड ने ऐतिहाद स्टेडियम में खेले गए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के मुकाबले में अपने प्रतिद्वंद्वी मैनचेस्टर सिटी को 2-0 से हराकर सभी प्रतियोगिताओं में पिछले 21 मैचों से चले आ रहे उसके जीत के सिलसिले को तोड़ दिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कल रात खेले गए इस मुकाबले में मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए ब्रूनो फर्नाडीज ने दूसरे मिनट में पेनाल्टी पर गोल करके टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद ल्यूक शॉ ने 50वें मिनट में दूसरा गोल करते हुए युनाइटेड को 2-0 की शानदार बढ़त दिला दी। मैनचेस्टर युनाइटेड ने इस बढ़त को अंत तक कायम रखते हुए मैनचेस्टर सिटी के पिछले 21 मैचों से जारी विजयक्रम को तोड़ दिया। इस हार के बाद भी मैनचेस्टर सिटी 28 मैचों में 65 अंकों के साथ टॉप पर कायम है। उसके मैनचेस्टर युनाइटेड से 11 अंक ज्यादा है। मैनचेस्टर युनाइटेड लीग में घर से बाहर पिछले 22 मैचों से अजेय है और इसमें से उसने 14 जीते भी हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी : कर्नाटक ने क्वार्टर फाइनल में केरल को दी करारी हार

नई दिल्ली ।

युवा सलामी बल्लेबाज देवदत्त पड्डीकल ने लगातार चौथा लिस्ट ए शतक जड़कर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से पहले राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के सामने कड़ा संदेश भेजा जिससे कर्नाटक ने सोमवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में केरल को 80 रन से शिकस्त दी। कर्नाटक ने कप्तान रविकुमार समर्थ की 158 गेंद में 192 रन और 20 साल के बाएं हाथ के खिलाड़ी पड्डीकल की स्ट्रोक्स से भरी 101 रन की पारी से तीन विकेट पर 338 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद उसने केरल को 258 रन पर समेट दिया। केरल का कर्नाटक को बल्लेबाजी का न्यौता देने का फैसला उस पर भारी पड़ा। समर्थ और पड्डीकल ने उनके आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए पहले विकेट के लिए 249 रन की भागीदारी निभाई। समर्थ ने शुरू से आक्रामकता बरतते हुए अपनी पारी में 22 चौके और तीन छक्के लगाए। उन्होंने 112 गेंद में शतक पूरा किया। वहीं पड्डीकल की पारी में 10 चौके और दो छक्के जड़े थे। पड्डीकल ने राष्ट्रीय वनडे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपना लगातार चौथा लिस्ट ए शतक जड़ा और वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय बन गए। वहीं समर्थ ने विजय हजारे नाकआउट मैच में अनुभवी वसीम जाफर के नाबाद 170 रन को पछाड़ दिया। पड्डीकल 43वें ओवर में और समर्थ 49वें ओवर में आउट हुए लेकिन उन्होंने सुनिश्चित किया कि टीम 315 रन से ज्यादा का स्कोर बना ले। मनीष पांडे ने नाबाद 34 रन का योगदान दिया। केरल के लिए मध्यम गति के गेंदबाज बासिल एनपी ने 57 रन देकर तीन विकेट हासिल किये जबकि पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने 10 ओवर में 73 रन लुटाए। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी केरल को तेज गेंदबाज रोनित मोरे (36 रन देकर पांच विकेट) ने शुरूआती झटके दिए, उन्होंने रोबिन उथप्पा (02) और रोहन कुनुमल (02) को आउट किया। एम प्रसिद्ध कृष्णा ने विष्णु विनोद (28) को आउट किया जिससे केरल का स्कोर तीन विकेट पर 52 रन हो गया। वत्सल गोविंद ने 92 और कप्तान सचिन बेबी के साथ चौथे विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी निभाई। सचिन बेबी के आउट होने के बाद मोहम्मद अजहरूद्दीन ने 52 रन की पारी खेली। वत्सल और अजहरूद्दीन ने पांचवें विकेट के लिए 92 रन की भागीदारी निभायी। इसके बाद टीम 258 रन पर सिमट गई।

ब्रूक्स कोएपका के हटने से लाहिड़ी को मिला प्लेयर्स चैंपियनशिप में भाग लेने का मौका

पोंट वेद्रा बीच (फ्लोरिडा) । भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी को चार बार के मेजर चैंपियन ब्रूक्स कोएपका के घुटने की चोट के कारण हटने से अगले सप्ताह होने वाली 'द प्लेयर्स चैंपियनशिप' में भाग लेने का मौका मिल गया है। पीजीए टूर ने विज्ञप्ति में कहा- आठ बार के पीजीए टूर विजेता ब्रूक्स कोएपका चोट के कारण 2021 प्लेयर्स चैंपियनशिप से हट गए हैं। उनकी जगह भारत के अनिर्बान लाहिड़ी को लिया गया है। चैंपियनशिप में कुल 154 गोल्फर भाग लेंगे। लाहिड़ी पिछले सप्ताह आर्नोल्ड पामर आमंत्रण टूर्नामेंट में छह ओवर 78 का कार्ड खेलने के कारण जल्द ही बाहर हो गए थे। हीरो इंडियन ओपन 2015 के बाद कोई खिताब नहीं जीत पाने वाले लाहिड़ी ने पीजीए टूर इस सत्र में नौ प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल सितंबर में कोरालेस पुटाकाना रिसॉर्ट और क्लब चैंपियनशिप में रहा था जिसमें वह संयुक्त छठे स्थान पर रहे थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

परफ्यूम को बनाएं सिगनेचर स्टाइल

पार्टी में जाना हो या फिर ऑफिस के लिए तैयार होना हो, परफ्यूम आपके जीवन में एक अहम हिस्सा निभाता है। पर क्या आप जानते हैं जाने-अनजाने आपका फेवरेट परफ्यूम दूसरों के सामने आपके व्यक्तित्व के कई रहस्यों से पर्दा उठा रहा होता है। जी हां हर व्यक्ति के लिए उसका परफ्यूम उसका सिगनेचर स्टाइल होता है। आइए जानते हैं आखिर कैसे।

हर व्यक्ति को परफ्यूम का चुनाव करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपका पसंदीदा परफ्यूम आपकी पर्सनैलिटी को ही बयां करने वाला होना चाहिए। यदि आप स्वभाव में रोमांटिक है, हंसमुख हैं या फिर बिंदास हैं तो अपने स्वाभाव के हिसाब से ही अपने परफ्यूम का चुनाव करें।

रूमानियत वाले लोगों को फ्लोरल महक वाले परफ्यूम जैसे जैसमिन, रोज, लिली जैसी खुशबु वाले परफ्यूम तो ऊर्जा से भरपूर लोगों के लिए नींबू की तीखी महक फबेंगे। अगर आप बेहद संजीदा रहने वाले व्यक्ति हैं तो आपके लिए वुडी स्मैल अच्छा विकल्प हो सकता है। यह सुगंध धीरे-धीरे फिर आपकी पहचान बन जाती है।

किस कोड का क्या होता है मतलब

अक्सर परफ्यूम खरीदते समय लोगों के दिमाग में पहला ख्याल उसकी खुशबू को लेकर ही आता है कि आखिर उस परफ्यूम की खुशबू आपको कितनी देर तक बरकरार रखेगी। ऐसे में आपकी ये उलझन दूर करते हुए आपको बता दें कि अगर आपकी परफ्यूम की बोतल में ओ डी कोलोन लिखा है तो परफ्यूम 2 घंटे तक टिका रहेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें सिर्फ 5 फीसदी तेल में पानी और एल्कोहल को मिलाया जाता है।

अगर बोतल पर ओ डी ट्वायलेट लिखा हो तो उसमें 8 प्रतिशत तेल मौजूद होने की वजह से वो 4 घंटे तक टिका रहता है। जबकि ओ डी परफ्यूम में करीब 18 प्रतिशत तेल मौजूद होता है और इसकी खुशबू 6 घंटों तक बनी रहती है। वहीं अगर बात करें बोतल पर सिर्फ परफ्यूम लिखे 15 से 30 प्रतिशत तक मौजूदा तेल वाले परफ्यूम की तो उसकी महक पूरे दिन आपको महकाती रहेगी।

अच्छी नींद और पढ़ाई के लिए फायदेमंद है गुलाब की खुशबू

गुलाब की खुशबू बेहतर तरीके से पढ़ने और नींद की गुणवत्ता में सुधार लाने में मददगार साबित होती है। एक नए शोध में यह बात सामने आई है। पत्रिका 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित अध्ययन, अंग्रेजी शब्दावली सीखने वाले दो वर्गों के विद्यार्थियों पर किया गया था, जिनमें से एक ने इसे गुलाब की खुशबू के साथ सीखा, जबकि एक ने इसके बिना।

जर्मनी स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रीबर्ग के शोध प्रमुख जुर्गन कोर्नमीयर ने कहा, हमने दिखाया कि सुगंध का सहायक प्रभाव रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत मजबूती से काम करता है और इसे लक्षित तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। फर्स्ट ऑथर और स्टूडेंट टीचर फ्रांजिस्का न्यूमैन ने शोध के लिए दक्षिणी जर्मनी के एक स्कूल के दो छठवीं कक्षा के 54 विद्यार्थियों पर कई प्रयोग किए।

परीक्षण समूह के युवा प्रतिभागियों को अंग्रेजी शब्दावली सीखने के दौरान घर पर अपने डेस्क पर गुलाब-सुगंधित अगरबत्ती लगाने के लिए कहा गया। साथ ही रात में बिस्तर के बगल में बेडसाइड टेबल पर भी ऐसा ही करने को कहा गया। एक अन्य प्रयोग में स्कूल में अंग्रेजी के परीक्षण (टेस्ट) के दौरान उन्हें टेबल के नजदीक धूप बत्ती लगाने को भी कहा गया। परिणामों की तुलना परीक्षण परिणामों से की गई, जिसमें एक या अधिक चरणों के दौरान किसी भी तरह की अगरबत्ती का इस्तेमाल नहीं किया गया था। न्यूमैन ने कहा, जब सोने और सीखने के लिए पास में अगरबत्ती का प्रयोग किया गया, तब विद्यार्थियों ने 30 प्रतिशत के साथ पढ़ाई में सफलता दिखाई।

नौकरीपेशा महिलाओं को भा रही हैं साड़ियां

भारतीय परिवेश में साड़ियों के लिए सदा ही खास जगह रही है। हर साड़ी की एक विशेष पहचान है। इन्हीं में एक बनारसी साड़ी है, जो आज नौकरीपेशा महिलाओं की भी पहली पसंद बनी हुई है।

फैशन की दुनिया में नित नए प्रयोग किए जाते हैं, बदलाव होते हैं और महिलाएं उन्हें बड़े शौक से अपनाती भी हैं। लेकिन आज भी एक चीज है, जो कभी दूर नहीं हुई, वो है साड़ी। साड़ी पहनने के तरीकों में, फैब्रिक में भले ही बदलाव आए हों, पर यह कभी फैशन से बाहर नहीं होती। तभी तो भारतीय महिलाओं का वॉर्डरोब साड़ियों से भरा रहता है। भारतीय परिवेश में साड़ी एक ऐसा अभिन्न और सुरुचिपूर्ण परिधान है, जिसमें हर महिला खूबसूरत लगती है। अलग-अलग परिवेश में अलग-अलग तरह की साड़ियां पहनी जाती हैं। अपनी पसंद और अवसर के हिसाब से साड़ी को विभिन्न शैलियों में बांटा गया है। इसी प्रकार से उन्हें विभिन्न अंदाज में पहना भी जा सकता है।

इस परिधान को पहनने वाली माहिलाओं में धर्म और आस्था को लेकर अपनी अलग राय हो सकती है, लेकिन इसमें उकेरी गई कलाकृतियां उनकी संस्कृति एवं आस्था का प्रमाण अवश्य देती हैं।

अलग-अलग तरह की साड़ियां महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। इन्हीं में एक बनारसी साड़ी है, जो कई तरह के रंगों में आती है, जिनमें सोने व चांदी की जरी का काम होता है। इनमें अनेक प्रकार के नमूने बनाए जाते हैं, जिन्हें मोटिफ कहते हैं। रेशम की खूबसूरत बनारसी साड़ी हर महिला पर खूब फबती है।

नया चलन

बनारसी साड़ी को पहले मुख्य रूप से शुभ अवसरों पर पहना जाता था। शादियों, पूजा-हवन आदि में महिलाएं इन्हें ही पहनती थीं, लेकिन आज महिलाएं इसे अपने कार्यस्थल पर भी पहन कर जाती हैं।

सॉफ्ट फैब्रिक

हल्के रेशम के धागों का उपयोग करके बुनी गई ये साड़ियां ऑफिस में पहने जाने के लिए बिल्कुल ठीक हैं। आप इन्हें दिन के समय में भी आसानी से पहन सकती हैं, क्योंकि इनकी चमक भी ज्यादा तेज नहीं होती।

डिजाइन और पैटर्न पर कारीगरी का जादू

छोटे मोटिफ्स (बेल, बूटा, जाल आदि नमूने) व सुंदर डिजाइन वाली साड़ियों को आप ऑफिस जाने के लिए चुन सकती हैं। छोटे मोटिफ्स वाली साड़ी का चुनाव करते समय ध्यान रखें कि आपकी साड़ी एक रंग की हो, सुंदर भी लगे और कॉन्फ्रेंस या मीटिंग्स के लिए मुफीद भी हो।

हल्के रंग व सुंदर बॉर्डर देते हैं शानदार लुक

जब आप ऑफिस के लिए बनारसी साड़ी का चुनाव करें तो ख्याल रखें कि कलर ज्यादा चटख न हों। बेबी पिंक, आसमानी नीला, लेमनी, बेज या फिर पेस्टल रंग की साड़ियों का चुनाव करना अच्छा विकल्प हो सकता है। इन रंगों की साड़ी आपको एक शानदार लुक देगी। साड़ी पर विस्तृत कढ़ाई का काम इसे और शानदार बनाता है। आप हल्की कढ़ाई वाली साड़ियों को भी चुन सकती हैं। सुंदर कढ़ी हुई बॉर्डर वाली बनारसी साड़ी आपके 'फॉर्मल लुक' को बरकरार रखेगी।

गर्भ बचाने में हार्मोन थेरेपी कारगर

गर्भवती महिलाओं को शुरुआती हफ्तों में ही प्रोजेस्टेरोन हार्मोन थेरेपी देने से उनकी गर्भावस्था में आने वाली जटिलताएं कम हो सकती हैं। साथ ही गर्भपात का खतरा कम होने की संभावना होती है। एक हालिया शोध में यह खुलासा हुआ है। शोध के मुताबिक, हार्मोन थेरेपी से सफल जन्म में बढ़ोतरी हो सकती है। अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गाइनोकोलॉजी में प्रकाशित शोध में गर्भावस्था के दौरान महिलाओं पर हार्मोन थेरेपी के प्रभावों का अध्ययन किया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, गर्भावस्था की शुरुआत के दौरान जिन महिलाओं को रक्तस्राव होता है उन्हें यह हार्मोन थेरेपी दिए जाने पर गर्भपात की संभावनाएं कम हो सकती हैं।

दो तरह के परीक्षण किए

शोधकर्ताओं ने बताया कि प्रोजेस्टेरोन हार्मोन प्राकृतिक रूप से ओवरी और प्लेसेंटा द्वारा शुरुआती गर्भावस्था में उत्पादित किए जाते हैं। यह स्वस्थ गर्भावस्था के लिए बहुत जरूरी होते हैं। शोधकर्ताओं ने दो तरह के क्लीनिकल परीक्षण किए, जिनका नाम प्रोमिस और प्रिज्म था। प्रोमिस के तहत 836 महिलाओं का अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि हार्मोन थेरेपी देने से सफल जन्मदर में तीन फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं, प्रिज्म के तहत 4153 महिलाओं पर शुरुआती गर्भावस्था के दौरान शोध किया गया। इन सभी को रक्तस्राव की परेशानी थी। इनको जब हार्मोन थेरेपी दी गई तो सफल जन्मदर में पांच फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

सस्ता और अच्छा है ये इलाज

शोधकर्ताओं के अनुसार हार्मोन थेरेपी उन लोगों के लिए फायदेमंद होती है जिनका पहले गर्भपात हो चुका होता है। इन महिलाओं में सफल जन्मदर में 15 फीसदी तक बढ़ोतरी हो सकती है। शोधकर्ता एडम डेवाल ने कहा कि 20 से 25 फीसदी गर्भावस्थाओं के दौरान गर्भपात हो जाता है। इससे महिलाओं और उनके परिवारों पर गहरा मनोवैज्ञानिक आघात होता है। ऐसे में हार्मोन थेरेपी सबसे सस्ता और अच्छा इलाज है, जो गर्भपात झेल चुकी महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इस थेरेपी के जरिएसफल जन्मदर में 15 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है।

इस स्टाइलिश अंदाज में करें बदलते मौसम का वेलकम

सर्दियों का मौसम जाने ही वाला है और स्पिंग सीजन दस्तक देने को तैयार है, ऐसे में एक नए ट्रेंड के लिए भारी-भरकम मेकअप को छोड़ने और कुछ नए रंगों को जोड़ने का वक्त आ गया है। सर्दियों में गाढ़े रंग के कपड़ों को पहनने का फैशन रहता है, लेकिन अब बारी कुछ जानदार और ब्राइट रंगों के परिधानों को पहनने का है। कुछ फैशन टिप्स :

सही फाउंडेशन का करें चुनाव

वसंत ऋतु में सर्दिंयों की तरह हेवी फाउंडेशन की जगह लाईट वेट फाउंडेशन का इस्तेमाल अपने चेहरे पर करें जिससे चेहरे पर एक नैचुरल ग्लो आएगा। ऐसे ऋतु में बीबी क्रीम और ल्यूमीनियस फाउंडेशन्स सबसे बेहतर होते हैं।

ब्रोन्ज व हाइलाईट

वैसे तो पाऊडर ब्रोन्जर और ब्लशर्स काफी अच्छे होते हैं, लेकिन वसंत ऋतु में क्रीम या लिक्विड प्रोड्क्ड का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। ये आपकी त्वचा में अच्छे से मिल जाते हैं और इनसे चेहरे को एक नैचुरल लुक मिलता है। कॉन्टोर और ब्लश को हल्का रखें ताकि चेहरे का ग्लो देखने लायक बनें।

ब्राईट लिपस्टिक

वसंत ऋतु का तात्पर्य ही चमकीले रंगों से है, ऐसे में लिपस्टिक का चुनाव भी इसी बात को ध्यान में रखते हुए करें। आप या तो पेस्टल, पिंक या पीच टोन को अप्लाई कर सकते हैं या फिर सैटिन फिनिश के साथ इस मौसम के लिए खासतौर पर बनाए गए प्रोड्क्ट का भी उपयोग कर सकते हैं।

मस्कारा

इसे अप्लाई करने से पहले एक बात का ध्यान जरूर रखें और वह ये कि कलर्ड मस्करा को लगाने से पहले बेस मस्करा लगाना न भूलें ताकि ये रंग आपकी आंखों में अच्छे से झलके।

नेचुरल आईशैडो पैलेट्स

इसमें कई तरह के बेहतरीन शेड्स उपलब्ध होते हैं जिन्हें यूज कर आप एक शानदार लुक पा सकते हैं। इस मौसम में डार्क व स्मोकी शेड्स के बजाय वॉर्म बेरी या न्यूड आईशैडो पैलेट्स को अपना सकते हैं।

बोल्ड और कलरफूल आईलाइनर

आंखों के मेकअप से खेलने का यह एक बेहतर समय है। इस मौसम में बोल्ड, रेट्रो ब्लू और चमकीले बैंगनी आईलाइनर्स का इस्तेमाल किया जा सकता है, इससे आंखों को एक बेहतरीन व एक नया लुक मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

गाजियाबाद के दो मेट्रो स्टेशनों पर महिलाओं के लिए मुफ्त ई-रिक्शा सेवा

गाजियाबाद(उप्र)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सोमवार को एक कंपनी गाजियाबाद में दो मेट्रो स्टेशन पर महिला यात्रियों को मुफ्त ई-रिक्शा सेवाएं प्रदान करेगी। ई-रिक्शा निर्माण कंपनी ओम बालाजी ऑटोमोबाइल इंडिया के मालिक विकास देशवार ने कहा कि मोहन नगर और मेजर मोहित शर्मा राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशनों पर 20 ई-रिक्शा उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने एक बयान में कहा, कोई भी देश महिलाओं के योगदान के बिना प्रगति के पथ पर आगे नहीं बढ़ सकता। आज हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। देश के लिए महिलाओं का योगदान अतुलनीय है।

दिल्ली से सटी हरियाणा की सीमाओं पर विभिन्न कारणों से 68 लोगों की हुई मौत: अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने सोमवार को यहां विधानसभा में कहा कि केन्द्र के कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली से सटी राज्य की सीमाओं पर प्रदर्शन के दौरान विभिन्न कारणों से 68 लोगों की मौत हुई है। दो कांग्रेस विधायकों द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, विज ने कहा कि इनमें से 21 हरियाणा के थे जबकि 47 पंजाब के निवासी थे। उन्होंने बताया कि 18 फरवरी तक इनमें से 51 लोगों की मौत स्वास्थ्य कारणों से हुई जबकि 15 की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई और दो ने आत्महत्या की। विज ने सदन को बताया कि अब तक हरियाणा से मृत प्रदर्शनकारियों के परिजनों को नौकरी और वित्तीय सहायता देने के लिए राज्य सरकार के विचारार्थ कोई प्रस्ताव नहीं है। कांग्रेस के दो विधायकों आफताब अहमद और इंदु राज नरवाल ने यह सवाल उठाया था। उन्होंने दिल्ली के साथ लगती राज्य की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन में मरने वाले किसानों की संख्या बताये जाने की मांग की थी। विधायकों ने हरियाणा और अन्य राज्यों से मृत किसानों की संख्या पूछी थी। विधायकों ने यह भी पूछा था कि क्या सरकार उनके परिजनों को सहायता प्रदान करने के किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है। गौरतलब है कि केन्द्र के तीन नये कृषि कानूनों को निरस्त किये जाने की मांग को लेकर किसान दिल्ली की सीमाओं सिंघू बॉर्डर, टीकरी बॉर्डर और गाजीपुर बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे हैं।

फारूख अब्दुल्ला का सवाल, जब भाजपा धारा 370 खत्म कर सकती है फिर...

जम्मू। आज पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर संसद में भी महिला सांसदों को बोलने का मौका दिया गया। इन सबके बीच जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने भाजपा से बड़ा सवाल किया है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक फारूख अब्दुल्ला ने कहा कि आज ब्छ्क वालों के पास बहुमत है। कई सालों से पार्लियामेंट में महिला सशक्तिकरण का बिल पड़ा हुआ है। ये क्यों नहीं पास करते? जब ये कृषि बिल, धारा 370 को ख़त्म कर सकते हैं। जब हमारी बहनें चाहती हैं कि यह बिल पास हो तो ये बिल क्यों नहीं पास कर सकते हैं?

इससे पहले फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि आज भारत सरकार का सबसे बड़ा फर्ज है कि महिला सशक्तिकरण बिल पास होना चाहिए। ये ही सबसे बड़ी चीज होगी जो हम अपनी माताओं और बहनों के लिए कर सकते हैं। दूसरी ओर शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि 24 साल पहले हमने संसद में महिलाओं के लिए 33त्न आरक्षण की प्रस्ताव रखा था। 24 साल बाद भी हमें संसद और विधानसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 50प्रतिशत कर देना चाहिए।

बटला हाउस एनकाउंटर मामले में इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकी आरिज खान दोषी करार

नयी दिल्ली। बाटला हाउस एनकाउंटर मामले में दिल्ली की साकेत अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। हालांकि अभी सजा का ऐलान नहीं किया गया है। बता दें कि अदालत ने इस मामले में इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी आरिज खान को दोषी करार दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बाटला हाउस एनकाउंटर मामले में अदालत आरिज खान को 15 मार्च को सजा सुनाएगी। साल 2008 में बाटला हाउस एनकाउंटर के बाद से आरिज खान फरार चल रहा था जिसे 2018 में नेपाल से गिरफ्तार किया गया था। इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी आरिज खान पर राजधानी दिल्ली समेत देश के कई और राज्यों में बॉम ब्लास्ट करने का आरोप है। बताया जाता है कि 13 सितंबर 2008 को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, जयपुर और अहमदाबाद में जो धमाके हुए थे उनमें आरिफ खान शामिल था और इन धमाकों में करीब 165 लोगों की मौत हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन धमाकों के कुछ दिन बाद बाटला हाउस में इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद पुलिस की स्पेशल सेल मौके पर पहुंची और फिर एनकाउंटर हुआ। इसमें इंस्पेक्टर मोहन शर्मा शहीद हो गए थे। एनकाउंटर के बाद से आरिज खान फरार चल रहा था जिसे दिल्ली की साकेत अदालत ने दोषी ठहराया है।

योगी आदित्यनाथ का बयान, नेपाल में माओवाद के रूप में दिखा अपनों के साथ भेदभाव का परिणाम

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर नहीं चलने के दुष्परिणामों का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि समाज जब भी अपनों के साथ भेदभाव करता है तो नेपाल में माओवाद की तरह उसका एक विकृत रूप देखने को मिलता है। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समावेशी विकास का जिक्र किया और कहा, समाज जब भी अपनों से भेदभाव करता है तो उसका एक विकृत रूप देखने को मिलता है जो नेपाल में माओवाद के रूप में देखने को मिला। योगी ने थारू समुदाय का जिक्र करते हुए कहा, थारू समुदाय आजादी के बाद भी शासन की सुविधाओं से वंचित था।

भारत में रह रहे इस समुदाय तक केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाएं पहुंचने लगीं तो वह राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ कर अपना योगदान करने लगा। लेकिन यही समुदाय नेपाल में जाकर माओवादी बन जाता है और वहां की व्यवस्था को तहस-नहस करता हुआ दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने समावेशी विकास सुनिश्चित करने के अपनी सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा, हमने लखीमपुर खीरी में एक जिला, एक उत्पाद योजना के तहत थारू जनजाति द्वारा बनाए गए उत्पादों को भी इस योजना का हिस्सा बनाया और मुझे प्रसन्नता है कि आज उन्हें राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि मिली है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर सभी को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, जिस समाज ने मातृशक्ति को इतना सम्मान दिया है, उसमें आधी आबादी के साथ भेदभाव और बर्बरता क्यों हो रही है, यह प्रश्न हम सबके सामने हमेशा मुंह बाए खड़ा रहता है।

उन्होंने कहा, इसीलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की जब बात आती है तो हम जैसे भारतीयों के बारे में यह सवाल खुद ही खड़ा होता है कि क्या महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों की औपचारिकता निभाकर हम समस्याओं का समाधान निकाल पाएंगे? मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा तथा उनके उत्थान के लिए अनेक काम किए हैं। 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम भी इन्हीं कोशिशों का हिस्सा है। उन्होंने कहा, हमने जब 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम शुरू किया था तब शारदीय नवरात्र थी। यानी नारी शक्ति की प्रतीक जगत जननी मां भगवती दुर्गा के अनुष्ठान का कार्यक्रम।

उद्धव ठाकरे ने दी महिलाओं को महिला दिवस की बधाई, 'कोविड-19 योद्धा' की सराहना की

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को कहा कि वैश्विक महामारी के दौरान 'कोविड-19 योद्धाओं' के तौर पर काम करने वाली महिलाओं के साहस और योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक वीडियो संदेश में ठाकरे ने कहा कि महामारी का खतरा अभी खत्म नहीं हुआ है और बीते एक वर्ष में अपने परिवारों के लिए महिलाएं चट्टान की तरह मजबूती से खड़ी रहीं और उन्होंने विभिन्न जिम्मेदारियों को साहसपूर्वक निभाया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्हें (महिलाएं) सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा कि महामारी और उसके कारण लगे लॉकडाउन से प्रभावित अपने परिवारों की मदद के लिए महिलाएं 'कोविड-19 योद्धओं' के बतौर सबसे आगे रहीं। ठाकरे ने कहा, ''उनके साहस और योगदान को कभी भुलाया नहीं जाएगा।'' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र 'महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित स्थान है' और उनकी सरकार इसे और सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''आज का दिन महिलाओं को सलाम करने का है जो हमारे जीवन के हर चरण में साहसपूर्ण तरीके से खड़ी रहीं।'' ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के पास जीजाबाई, अहिल्यादेवी, तारा रानी और सावित्री बाई फुले जैसी वीर, समाज सुधारक एवं बुद्धिमान महिलाओं की महान विरासत है। उन्होंने कहा, ''हम केवल इन महिलाओं को ही नहीं बल्कि आज की पीढ़ी की उन महिलाओं को भी सलाम करते हैं जो उनकी विरासत को आगे ले जा रही हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि पर राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, कार्यवाही बाधित

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सदस्यों ने विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि को लेकर हंगामा किया जिसके कारण उच्च सदन की बैठक बाधित हुयी और चार बार के स्थगन के बाद अंततः पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी। सभापति एम वेंकैया नायडू ने शून्यकाल में कहा कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की ओर से नियम 267 के तहत कार्यस्थगन नोटिस मिला है जिसमें उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर चर्चा का अनुरोध किया है। नियम 267 के तहत सदन का सामान्य कामकाज स्थगित कर किसी अत्यावश्यक मुद्दे पर चर्चा की जाती है।

नायडू ने कहा कि उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया है क्योंकि सदस्य मौजूदा सत्र में विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान एवं अन्य मौकों पर इस संबंध में अपनी बात रख सकते हैं। हालांकि नायडू ने नेता प्रतिपक्ष को सदन में इस मुद्दे का उल्लेख करने की अनुमति दी।खड़गे ने पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की कीमतों में खासी वृद्धि होने का जिक्र करते हुए इसे ज्वलंत विषय बताया तथा इस संबंध में चर्चा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि पूरे देश में लोग पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि को लेकर आंदोलित हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि पेट्रोल की कीमतें लगभग 100 रुपये प्रति लीटर तक हो गई हैं, जबकि डीजल की कीमत 80 रुपये प्रति लीटर से अधिक हो गयी है। उन्होंने इसी प्रकार रसोई गैस(एलपीजी) की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। खडगे ने कहा कि सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क और अन्य कर लगा कर 21 लाख करोड़ रुपये एकत्र किए हैं जबकि कीमतों में वृद्धि के कारण किसान और आम लोग परेशान हैं।

कांग्रेस नीत विपक्ष इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करता रहा। लेकिन सभापति नायडू ने इस पर चर्चा की अनुमति नहीं दी और सदन में प्रश्नकाल शुरू कराया। इस दौरान विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा और कुछ सदस्य आसन के समीप भी आ गए। सदन में हंगामा थमते नहीं देख सभापति ने करीब 10 बजे बैठक सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। एक बार के स्थगन के बाद 11 बजे बैठक शुरू होने पर भी विपक्ष ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर चर्चा की मांग दोहरायी। लेकिन उपसभापति हरिवंश ने कहा कि सभापति ने पहले ही इस संबंध में अपनी व्यवस्था दे दी है और उस पर पुनर्विचार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सदस्यों को विभिन्न मंत्रालयों के कामकाज और विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान सदस्यों को अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा। इस पर नेता प्रतिपक्ष खडगे ने कहा कि यह ऐसा मुद्दा है जिसे टाला नहीं जा सकता।

उपसभापति ने सदस्यों से शांत रहने और सदन का कामकाज चलने देने की अपील की। लेकिन इसका असर नहीं होते देख उन्होंने 11 बजकर करीब पांच मिनट पर बैठक दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर एक बजे बैठक फिर शुरू होने पर भी कार्यवाही 15-15 मिनट के लिए दो बार स्थगित की गयी। दोपहर 01:30 बजे पीठासीन उपसभापति वंदना चव्हाण ने घोषणा की कि मंगलवार से उच्च सदन की बैठक अपने सामान्य समय के अनुसार पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगी और शाम छह बजे तक चलेगी। उन्होंने कहा कि सभापति नायडू ने विभिन्न दलों के सदस्यों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है। वंदना चव्हाण ने इस घोषणा के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर आरोप, संसद में महंगाई के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार नहीं है सरकार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के मुद्दे पर संसद में चर्चा करने के लिए तैयार नहीं है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी कहा कि कांग्रेस महंगाई के मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए सरकार पर दबाव बनाती रहेगी। उन्होंने संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा, ''राज्यसभा में हमने नियम 267 के तहत नोटिस देकर कहा था कि देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतें दिन-प्रतिदिन बढ़ रही हैं और इससे आम लोगों को बहुत परेशानी हो रही है, ऐसे में इस पर चर्चा हो।''

खड़गे के मुताबिक, कांग्रेस की सरकार के समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 109 डॉलर प्रति बैरल थी तो उस वक्त 71 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल मिल रहा था। अब कच्चे तेल की कीमत 65 डॉलर प्रति बैरल है तो पेट्रोल करीब 100 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। उन्होंने दावा किया, ''पेट्रोलियम उत्पादों के दाम बढ़ाकर मोदी सरकार ने पिछले साढ़े छह साल में 21 लाख करोड़ रुपये कमाये हैं। हमारा सवाल है कि इस रकम का कहां इस्तेमाल किया गया? यह सरकार अमीरों का कर्ज माफ कर रही है। लेकिन गरीबों और मध्य वर्ग पर बोझ बढ़ता चला जा रहा है।''

उन्होंने कहा, ''हम इन मुद्दों पर सदन में चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं है। हम चाहते हैं कि इन मुद्दों को उठाने और चर्चा के लिए समय दिया जाए।'' कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा, ''महंगाई के कारण किसानों को भी गहरी चोट लगी है। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया था, लेकिन डीजल के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया कि आंदोलन कर रहे किसानों के बारे में इस सरकार ने एक शब्द नहीं बोला है। हुड्डा ने आरोप लगाया कि सरकार को किसानों की चिंता नहीं है जिससे किसानों में बहुत आक्रोश है।

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के मुद्दे पर राज्यों से मांगा जवाब, 15 मार्च से होगी सुनवाई

नयी दिल्ली।। (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने राज्यों से इस 'अति महत्वपूर्ण' सवाल पर जवाब मांगा कि क्या विधायिका किसी विशेष जाति को आरक्षण देने के लिए सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा घोषित करने में सक्षम है। उच्चतम न्यायालय राष्ट्रपति द्वारा तैयार की गई सूची में नामित एक विशेष समुदाय को आरक्षण देने संबंधी संविधान के 102वें संशोधन की व्याख्या के सवाल पर विचार करेगा। संविधान के 102वें संशोधन की व्याख्या का मुद्दा मराठा आरक्षण कानून की वैधता पर याचिकाओं पर गौर करते समय पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष उठा था और कानूनी मुद्दा यह है कि क्या किसी राज्य की विधायिका किसी विशेष जाति को आरक्षण देने के लिए सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े घोषित करने में सक्षम है।

न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर भी दलीलें सुनेगी कि क्या इंदिरा साहनी मामले में 1992 में आए ऐतिहासिक फैसले, जिसे 'मंडल फैसला' के नाम से जाना जाता है, उस पर पुनः विचार करने की आवश्यकता है। उच्चतम न्यायालय ने 1992 में अधिवक्ता इंदिरा साहनी की याचिका पर ऐतिहासिक फ़ैसला सुनाते हुए जाति-आधारित आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत तय कर दी थी। पीठ में न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति आर रवीन्द्र भट्ट शामिल हैं। पीठ ने कहा कि वह अगले सोमवार से सुनवाई शुरू करेगा। पीठ ने राज्यों से इस मुद्दे पर लिखित जवाब दाखिल करने को कहा। उसने कहा, ''प्रत्येक राज्य के स्थायी वकील को नोटिस दिये जायेंगे।'' महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं मुकुल रोहतगी, कपिल सिब्बल और पी एस पटवालिया की उस दलील पर पीठ ने गौर किया कि 102 वें संशोधन की व्याख्या के सवाल पर फैसला राज्यों के संघीय ढांचे को प्रभावित कर सकता है और इसलिए, उन्हें सुनने की जरूरत है। केन्द्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने कहा कि 102 वें संशोधन की व्याख्या पर अदालत के फैसले से राज्य प्रभावित हो सकते हैं और यह बेहतर होगा कि सभी राज्यों को नोटिस जारी किए जाएं।उच्चतम न्यायालय ने पांच फरवरी को कहा था कि शिक्षा एवं नौकरियों में मराठा समुदाय को आरक्षण देने से संबंधित महाराष्ट्र के 2018 के कानून को लेकर दाखिल याचिकाओं पर वह आठ मार्च से अदालत कक्ष के साथ ही ऑनलाइन सुनवाई शुरू करेगा। मामले की सुनवाई की तारीख तय करने वाली पीठ ने कहा था कि वह 18 मार्च को मामले की सुनवाई पूरी कर लेगी। पिछले साल नौ दिसंबर को शीर्ष अदालत ने कहा था कि महाराष्ट्र के 2018 के कानून से जुड़े मुद्दों पर ''अविलंब सुनवाई'' की जरूरत है क्योंकि कानून स्थगित है और लोगों तक इसका 'फायदा' नहीं पहुंच पा रहा है। नौकरियों और दाखिले में मराठा समुदाय के लोगों को आरक्षण प्रदान करने के लिए सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग (एसईबीसी) कानून, 2018 को लागू किया गया था।

तृणमूल कांग्रेस को अलविदा कहने की लगी होड़ ! अब 5 विधायकों ने ली भाजपा की सदस्यता

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तृणमूल कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं की छड़ी लगी हुई है। तृणमूल कांग्रेस विधायक सोनाली गुहा समेत पांच विधायकों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। बता दें कि इन नेताओं को प्रदेश भाजपा प्रमुख दिलीप घोष, नंदीग्राम से चुनाव लड़ रहे शुभेंदु अधिकारी और वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय की उपस्थिति में भाजपा में शामिल कराया गया।

तृणमूल विधायक सोनाली गुहा, दीपेंदु बिस्वास, रवींद्रनाथ भट्टाचार्य, जटू लहिरी और सरला मुर्मू ने भाजपा का दामन थाम लिया है। इन नेताओं में सबसे चौंका देने वाला नाम सरला मुर्मू का है। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस ने सरला मुर्मू को हबीबपुर से अपना उम्मीदवार बनाया था लेकिन बाद में उनके स्थान पर पार्टी ने दूसरे उम्मीदवार को खड़ा किया। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि सरला मुर्मू की तबीयत सही नहीं है। जबकि सरला मुर्मू को हबीबपुर से चुनाव लड़ना पसंद नहीं था।

टिकट नहीं मिलने भाजपा में आए भट्टाचार्य

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने 5 मार्च दिन शुक्रवार को दोपहर 2 बजे 291 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। हालांकि उन्होंने 80 साल से अधिक उम्र के नेताओं को टिकट नहीं दिया। जिसके बाद रवींद्रनाथ भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस को अलविदा कहा और भाजपा के साथ आ गए। आपको बता दें कि भट्टाचार्य सिंगूर से तृणमूल का प्रतिनिधित्व करते थे और वह ममता सरकार में मंत्री भी थे।

देश के 50 धार्मिक स्थलों में शामिल महाकाल मंदिर भी अब बनेगा चाईल्ड फ्रेंडली

उज्जैन। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने बृहस्पति भवन में आयोजित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग उज्जैन परिक्षेत्र में बाल भिक्षावृति, बाल श्रम, बाल शोषण की रोकथाम हेतु विभिन्न स्टेक होल्डर्स की बैठक प्रातः 11 बजे ली गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्ट्रीट चिल्ड्रन प्लान के तहत राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली की मंशानुसार उज्जैन के विशेषकर महाकाल मंदिर परिक्षेत्र को चाईल्ड फ्रेंडली निर्मित करने हेतु देश के 50 धार्मिक स्थलों में से चयन किया गया है। जिसके यह सुनिश्चित किया जायेगा की कोई भी बालक-बालिका फुटपाथ पर न रहे। किसी भी बालक के परिवार को सहायता की आवश्यकता होने पर शासन के विभिन्न विभागों द्वारा चलायी जा रही योजनाओ से उसे जोड़ा जायेगा।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो द्वारा स्टेक होल्डर्स की बैठक को संबोधित करते हुए कहा गया कि सिंहस्थ-2016 के दौरान चाईल्ड फ्रेंडली वातावरण का प्रारम्भ उज्जैन जिले से किया गया था। जिसकी तर्ज पर अन्य राज्यों में आयोजित मेले के दौरान चाईल्ड फ्रेंडली पैटर्न को अपनाया गया। जिससे मिसिंग चाईल्ड के केस दर्ज नहीं हुए। बालक के संरक्षण एवं बालको के हित हेतु पारिवारिक व्यवस्था को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आयोग द्वारा तैयार की गई एसओपी में सड़क पर रहने वाले बालको के बाल देखरेख संस्था में प्रवेश को अंतिम उपाय के रूप में मानने पर जोर दिया गया है। परिवार में ही बालक का सर्वोत्तम हित हो एवं भारत सरकार की विभिन्न योजना से परिवार को जोड़कर उन्हें सक्षम बनाया जा सकता है। इस हेतु आवश्यक है कि पहले आइडेंटिफिकेशन करे फिर मेपिंग की जाकर मेचिंग किया जाए कि किस योजना से लाभान्वित किया जा सकता है द्य यह सभी स्टेकहोल्डर्स का दायित्व है।

कलेक्टर आशीष सिह ने बताया कि संयुक्त टीम द्वारा निरंतर रेस्क्यू ओपरेशन किए जा रहे हैं। साथ ही उनका फॉलोअप भी किया जा रहा है एवं स्ट्रीट चिल्ड्रन प्लान के तहत जो भी आयोग द्वारा प्रोटोकाल जारी किये गये है। तदुनुसार सम्बन्धित विभागों द्वारा एसओपी में जारी निर्देशों का पालन किया जाकर योजना क्रियान्वित की जायेगी। आयोग के तकनीकी विशेषज्ञ परेश शाह ने बैठक में बताया कि आयोग द्वारा बाल श्रम बाल दुर्व्यवहार एवं बाल भिक्षावृति विषय बालकों के अधिकारों का हनन एवं निराश्रित बालक एवं बाल अपराधों की घटना के बढ़ते हुए क्रम को देखते हुए विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के माध्यम से पर्यटन स्थलों में चाइल्ड फ्रेंडली वातावरण निर्मित किया जायेगा। बैठक में एसपी सत्येन्द्र शुक्ल,एडीएम एवं प्रशासक महाकाल मंदिर नरेंद्र सूर्यवंशी भी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)